आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 26 | अंक - 138 | उज्जैन, गुरुवार 11 अप्रैल 2024 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

तीसरे चरण के लिए 12 अप्रैल से भरे जायेंगे नाम निर्देशन पत्र

भोपाल। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि लोकसभा निर्वाचन - 2024 के तहत मध्यप्रदेश में चार चरणों में लोकसभा चुनाव होने हैं।

श्री राजन ने बताया कि तीसरे चरण में मध्यप्रदेश के 9 लोकसभा क्षेत्रों में 12 अप्रैल से नाम निर्देशन पत्र भरे जायेंगे। उन्होंने बताया कि तीसरे चरण में लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-1 मुरैना, क्रमांक-2 भिण्ड (अजा), क्रमांक-3 ग्वालियर, क्रमांक-4 गुना, क्रमांक-5 सागर, क्रमांक-18 विदिशा, क्रमांक-19 भोपाल, क्रमांक-20 राजगढ़ सहित बैतूल (अजजा) लोकसभा क्षेत्र क्रमांक-29 में मतदान कराया जायेगा। तीसरे चरण के लिए निर्वाचन अधिसूचना शुक्रवार, 12 अप्रैल को जारी होगी। प्रत्याशियों द्वारा इसी दिन से नाम

निर्देशन पत्र दाखिल किये जाएंगे। नाम निर्देशन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि शुक्रवार, 19 अप्रैल है। इसके अगले दिन शनिवार, 20 अप्रैल को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। नाम निर्देशन पत्र भर चुके प्रत्याशी सोमवार, 22 अप्रैल तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। तीसरे चरण के लिए मंगलवार, 7 मई को मतदान होगा। सभी चरणों के मतदान की मतगणना मंगलवार, 4 जून को होगी।

बैतूल लोकसभा क्षेत्र क्रमांक-29 के लिए 7 मई को होगा मतदान

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अनुपम राजन ने बताया है कि बैतूल लोकसभा क्षेत्र क्रमांक-29 के निर्वाचन के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 10 अप्रैल को नवीन कार्यक्रम जारी कर दिया गया है। लोकसभा संसदीय क्षेत्र क्रमांक-29 बैतूल (अजजा) में अब 7 मई को मतदान होगा। यहां निर्वाचन अधिसूचना 12 अप्रैल को जारी होगी। केवल बहुजन समाज पार्टी के अभ्यर्थी 12 से 19 अप्रैल तक नाम निर्देशन पत्र जमा कर सकेंगे। 20 अप्रैल को नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी। अभ्यर्थी 22 अप्रैल तक अपने नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 7 मई को होगा। मतगणना 4 जून को होगी।

उल्लेखनीय है कि बैतूल लोकसभा संसदीय क्षेत्र में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनैतिक दल बहुजन समाज पार्टी से निर्वाचन में भाग ले रहे अभ्यर्थी श्री अशोक भलावी का 9 अप्रैल को निधन हो गया था। अभ्यर्थी के निधन के कारण कलेक्टर एवं रिटर्निंग आफिसर बैतूल ने यहां 26 अप्रैल को होने वाले मतदान स्थगन की सूचना मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश को भेजी थी। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा मतदान स्थगन की सूचना से भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली को अवगत कराया गया था।

श्री राजन ने स्पष्ट किया है कि बैतूल लोकसभा क्षेत्र क्रमांक-29 के निर्वाचन में सिर्फ बहुजन समाज पार्टी के उम्मीदवार का ही नाम निर्देशन पत्र जमा होगा। शेष अभ्यर्थी यथावत रहेंगे।

भीषण गर्मी के बीच आया मानसून को लेकर बड़ा अपडेट, इन राज्यों में होगी जमकर बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल भारत में सामान्य मानसून की उम्मीद है। मौसम की भविष्यवाणी करने वाली निजी एजेंसी स्काइमेट के अनुसार वर्ष 2024 में मानसूनी वर्षा जून से सितंबर तक चार महीने होगी जिसमें 102 प्रतिशत बरसात होने की संभावना है।स्काईमेट ने मंगलवार को जारी अपनी रिपोर्ट में भारत के कृषि क्षेत्र के लिए खुशखबरी देते हुए कहा कि पिछले साल की तरह इस बार मानसून अनियमित नहीं होगा। जून से सितंबर तक की अवधि में 868.6 मिमी बारिश होनी तय है। मासिक आधार पर मानसूनी बारिश पहले महीने जून में तकरीबन 95 प्रतिशत होगी। जबकि जुलाई में 105, अगस्त में 98 और सितंबर में 110 प्रतिशत होगी।

अच्छी बारिश होने की उम्मीद- मौसम की भविष्यवाणी करते हुए निजी एजेंसी ने कहा कि देश के दक्षिणी, पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में पर्याप्त रूप से अच्छी बारिश होने की उम्मीद है।

देश में पश्चिमी और मध्य हिस्से में सामान्य से अधिक बारिश होगी जबकि पूर्वोत्तर भारत और पूर्वी हिस्से में सामान्य से कम बारिश होगी। मानसून के जो कोर क्षेत्र हैं, जैसे महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में पर्याप्त बारिश होगी। हालांकि बिहार, झारखंड, ओडिशा और बंगाल जैसे पूर्वी राज्यों में सर्वाधिक बारिश वाले मानसूनी महीनों में अपेक्षाकृत कम बारिश होने का खतरा है।

उड़ानें रद्द होने से हवाई किराये में 20-25 प्रतिशत की भारी उछाल, यात्रियों को करनी पड़ सकती है जेब ढीली

नई दिल्ली (एजेंसी)। यात्रियों को हवाई यात्रा के लिए अधिक भुगतान करना पड़ रहा है। विस्तारा एयरलाइन की उड़ानें रद्द होने और हवाई यात्रा की मांग अधिक होने से हवाई किराये में 20-25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हो चुकी है। विशेषज्ञों के मुताबिक, गर्मी के मौसम में हर साल हवाई यात्रा की मांग अधिक रहती है। लेकिन इस साल विमानन उद्योग कई चुनौतियों से जूझ रहा है। टाटा समूह की विस्तारा एयरलाइन की 100 से अधिक उड़ानें रद्द होने से हवाई किराया पहले ही बढ़ चुका है। पायलटों की नाराजगी का सामना कर रही एयरलाइन ने प्रतिदिन 25-30 उड़ानों यानी अपनी कुल क्षमता में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी है। यात्रा वेबसाइट इक्सिगो के अनुसार एक से सात मार्च की अवधि की तुलना में एक से सात अप्रैल की अवधि में कुछ हवाई मार्गों पर किराया 39 प्रतिशत तक बढ़ गया।

दिल्ली-बेंगलुरु के एकतरफ का किराया 39 प्रतिशत बढ़ा इस अवधि में दिल्ली-बेंगलुरु उड़ानों के लिए एकतरफ का किराया 39 प्रतिशत बढ़ गया, जबकि दिल्ली-श्रीनगर उड़ानों के लिए इसमें 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई।

रामनवमी पर रामलला का सूर्य तिलक, गर्भगृह में कितने समय तक रहेंगी सूर्य की किरणें?

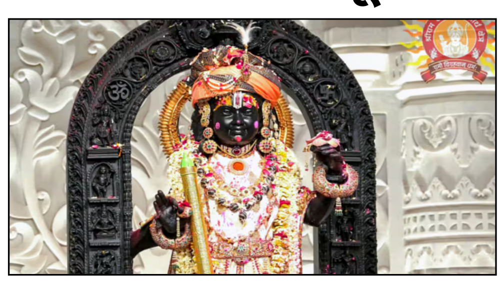

नई दिल्ली (एजेंसी)। रामलला का जन्मोत्सव रामनवमी 17 अप्रैल को मनाया जाना है। इस दिन देशभर में भगवान राम के जन्मदिन का त्योहार मनाया जाता है। अयोध्या में इस बार रामनवमी की अलग धूम है। यहां इसी साल जनवरी महीने में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की गई। भव्य राम मंदिर का उद्घाटन किया गया। अब रामनवमी को और खास बनाने के लिए रामलला का सूर्य तिलक किया जाएगा। इसके लिए वैज्ञानिकों ने तैयारी कर ली है। गर्भगृह तक सूर्य की किरणों को लाया जाएगा, यह हर रामनवमी के दिन किया जाएगा। इस दौरान तकरीबन 4 से 6 मिनट तक रामलला की मूर्ति के मस्तक पर सूर्य तिलक किया जाएगा। यानी सूर्य की रोशनी रामलला पर इस तरह पड़ेंगी, मानो भगवान राम को सूर्य तिलक लगाया हो। इसका समय और ऐसा करने की वैज्ञानिक विधि की जानकारी सामने आई है।

हर साल कुछ मिनटों के लिए रामलला की मूर्ति पर सूर्य तिलक किए जाने की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। राम नवमी हिंदू कैलेंडर के पहले महीने के नौवें दिन मनाई जाती है, आमतौर पर यह मार्च-अप्रैल महीने में आती है, जो भगवान राम की जयंती का प्रतीक है। इस साल राम नवमी 17 अप्रैल को मनाई जानी है। ऐसी मान्यता है कि भगवान राम के बाल रूप के दर्शन के लिए सभी देवतागण धरती पर पधारे थे। इस बार रामनवमी को और खास बनाने के लिए वैज्ञानिकों ने रामलला की मूर्ति पर सूर्य तिलक की खास तैयारी की है।

सड़कों के निर्माण में पहली बार खर्च तीन लाख करोड़ के पार, निजी क्षेत्र ने कुछ यूं दिया योगदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में पहली बार सड़कों के विकास में पूंजीगत खर्च तीन लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर गया है। बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर यह उत्साह बढ़ाने वाली खबर एक ऐसे समय आई है जब देश लोकसभा चुनाव के दौर से गुजर रहा है। सरकार के एक शीर्ष अधिकारी के अनुसार पिछले वित्तीय वर्ष में संशोधित बजट अनुमान की 99.93 प्रतिशत धनराशि खर्च की गई। यह भी अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

संशोधित बजट अनुमान के तहत सड़कों के निर्माण में 2.78 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाने थे और चुनावी साल में इसका पूरा ध्यान रखा गया कि तीव्र बुनियादी ढांचे के विकास का एजेंडा पूरा करने में कोई कसर न रहने पाए।

निजी क्षेत्र के योगदान में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी वित्त वर्ष 2023-24 में सड़क परिवहन और राजमार्गों के विकास में पूंजीगत खर्च तीन लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर जाने का एक बड़ा कारण यह है कि सरकार के साथ ही निजी क्षेत्र के योगदान में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

लगातार दूसरे साल बढ़ोतरी के साथ सौ प्रतिशत खर्च- सूत्रों के अनुसार 2022-23 में खर्च का प्रतिशत पहली बार 99 तक पहुंचा था और अब लगातार दूसरे साल इसमें बढ़ोतरी के साथ सौ प्रतिशत खर्च का लक्ष्य लगभग पूरा कर लिया गया है। यह संसाधनों के सही इस्तेमाल के लिए सरकार की ओर से खर्च के चक्र को दुरुस्त करने की नीतियों का भी परिणाम है।

तमिलनाडु के तिरुमंगलम में कार और दोपहिया वाहन की हुई भीषण टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के तिरुमंगलम से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। आज सुबह तिरुमंगलम के पास शिवराकोट्टई में विरुधुनगर और मदुरै राजमार्ग पर एक कार और दोपहिया वाहन की टक्कर में पांच लोगों की कथित तौर पर मौत हो गई। यह पूरा हादसा सीसीटीवी में कैद हो गया। मदुरै जिले के पुलिस अधीक्षक अरविंद ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना तब हुई जब विरुधुनगर-मदुरै राजमार्ग पर तिरुमंगलम के पास शिवराकोट्टई में एक तेज रफ्तार एसयूवी एक मोपेड से टकरा गई।

संयुक्त राष्ट्र में बजा भारत का डंका, कई अहम निकायों का मिला जिम्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय स्वापक नियंत्रण बोर्ड समेत संयुक्त राष्ट्र के कई प्रमुख निकायों के लिए भारत का चयन किया गया है। भारत की जगजीत पवाडिया ने अंतरराष्ट्रीय स्वापक नियंत्रण बोर्ड में तीसरी बार निर्वाचित होकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्हें संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक परिषद द्वारा आयोजित अत्यधिक प्रतिस्पर्धी चुनाव में सबसे अधिक वोट प्राप्त हुए हैं।

पावडिया को गुप्त मतदान के जरिए मार्च 2025 से 2030 तक पांच साल के तीसरे कार्यकाल के लिए INCB में फिर से चुना गया। भारत को 2025 से 2029 तक की अवधि के लिए कमीशन ऑन स्टेटस ऑफ विमेन (महिलाओं की स्थिति पर आयोग) के लिए भी चुना गया। 2025-2027 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र बाल कोष के कार्यकारी बोर्ड, 2025-2027 के लिए परियोजना सेवाओं के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम एवं संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष के कार्यकारी बोर्ड में भी भारत को चुना गया है।

इसके अलावा भारत को 2025 से 2027 तक के कार्यकाल के लिए लैंगिक समानता एवं महिला सशक्तीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र इकाई के कार्यकारी बोर्ड और 2025-2027 कार्यकाल के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम के कार्यकारी बोर्ड के लिए भी चुना गया।

संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि राजदूत रुचिरा कंबोज ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भारत वसुधैव कुटुंबकम - दुनिया एक परिवार है के सिद्धांत को कायम रखते हुए इन संयुक्त राष्ट्र निकायों के भीतर विमर्श में सक्रिय रूप से शामिल होने की अपनी प्रतिबद्धता पर कायम है। उन्होंने कहा कि मार्गदर्शन करने वाला यह दर्शन वैश्विक विचार-विमर्श में रचनात्मक और सहयोगात्मक योगदान देने, एकता की भावना को बढ़ावा देने और सभी की भलाई के लिए साझा जिम्मेदारी के प्रति हमारे समर्पण को रेखांकित करता है।

शिकागो पुलिस ने यातायात रोकने के दौरान चलाई 41 सेकंड में लगभग 100 गोलियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिकागो में पुलिसकर्मियों द्वारा सड़क पर गोलीबारी करने की घटना सामने आई है। पुलिस निगरानी एजेंसी द्वारा मंगलवार को एक ग्राफिक वीडियो फुटेज जारी किया गया। इस वीडियो के अनुसार, सादे कपड़ों में शिकागो पुलिस अधिकारियों ने यातायात रोकने के दौरान 41 सेकंड में लगभग 100 गोलियां चलाईं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अधिकारी घायल हो गया।

पिछले महीने एक अज्ञात पुलिस वाहन में सवार सामरिक इकाई के पांच अधिकारियों ने कथित तौर पर सीट बेल्ट न पहनने के कारण डेक्सटर रीड द्वारा संचालित एक एसयूवी को घेर लिया था।

वीडियो में दिखाया गया है कि 26 वर्षीय व्यक्ति थोड़ी देर के लिए खिड़की को नीचे करता है और फिर उसे ऊपर उठाता है और वाहन से बाहर निकलने से इनकार करता है क्योंकि अधिक अधिकारी आते हैं, जो चिल्लाते हैं और हथियार निकालते हैं।

पुलिस जवाबदेही के नागरिक कार्यालय ने कहा कि प्रारंभिक साक्ष्य से पता चलता है कि रीड ने पहले गोली चलाई, जिससे शहर के वेस्ट साइड पर हम्बोल्ट पार्क पड़ोस में एक अधिकारी घायल हो गया। फिर चार अधिकारियों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए 96 राउंड गोलियां चलाईं।

सीओपीए ने बॉडी-वेर्न कैमरा फुटेज, 911 कॉल और पुलिस रिपोर्ट जारी करते हुए कहा, रीड अपने वाहन से बाहर निकलकर जमीन पर गिर गया के बाद भी गोलीबारी जारी रही।

जारी किए गए वीडियो पुलिस द्वारा पिछले महीने शुरू में पेश किए गए वीडियो की तुलना में अधिक विस्तृत परिप्रेक्ष्य हैं।

पुलिस अधीक्षक लैरी स्नेलिंग ने पहले कहा था कि 21 मार्च को गोलीबारी यातायात रोकने के साथ शुरू हुई थी और इसे गोलियों का आदान-प्रदान÷ बताया गया था। परिवार के सदस्यों ने गोलीबारी के बारे में अधिकारियों के विवरण पर सवाल उठाए हैं और इस बात का जवाब तलाश रहे हैं कि रीड को क्यों रोका गया।

परिवार के वकील एंड्रयू एम. स्ट्रॉथ ने कहा कि रीड की मां, बहन, चाचा और पिता ने मंगलवार को वीडियो देखा और भावनात्मक रूप से परेशान हो गए। उन्होंने कहा कि वे उस युवक को एक प्रतिभाशाली हाई स्कूल बास्केटबॉल खिलाड़ी के रूप में याद करते हैं, जिसकी खेल प्रसारक बनने की महत्वाकांक्षा थी।

रीड की बहन पोर्शा बैंक्स ने कहा कि मैं वास्तव में उस दर्द को बयां नहीं कर सकती जिससे मैं और मेरा परिवार गुजर रहा है, लेकिन मैं बस आशा करती हूं कि वहां ऐसे लोग होंगे जो समझते हैं कि वह एक बेटा था, वह एक भाई था, वह एक चाचा था, उसके कुछ प्रियजन थे। उन्होंने कहा वह बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति थे।

अब महायुद्ध की आहट! ईद पर इजरायल ने ईरान को दी घुसकर मारने की धमकी, तैयारी भी पूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और फिलिस्तीन के बीच गाजा पट्टी पर बीते 6 महीनों से जंग जारी है। इस युद्ध में अब तक 33 हजार निर्दोष लोग मारे जा चुके हैं। इसके अलावा इजरायल को भी करीब डेढ़ हजार लोगों को खोना पड़ा है। इसके बाद भी यह खूनी युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है और अब इसके विस्तार की आशंका बढ़ गई है। दरअसल ईद के मौके पर इजरायल ने ईरान को बड़ी धमकी देते हुए कहा है कि यदि उसने अपनी जमीन से हमला किया तो मुंहतोड़ जवाब मिलेगा। इजरायल का कहना है कि यदि ईरान की जमीन से उस पर अटैक हुआ तो हम भी घुसकर हमला करेंगे।

पिछले दिनों सीरिया में ईरान के कौंसुलेट पर इजरायल ने एक हवाई हमला किया था। इसमें ईरान के टॉप जनरल समेत कई लोग मारे गए थे। इस हमले के बाद से ही ईरान भड़का हुआ है और उसने अमेरिका तक को धमकी देते हुए कहा है कि वह इस मामले से दूर रहे। हम अब इजरायल पर हमला करेंगे। इसका समय भी हम ही तय करेंगे। अब इजरायल का कहना है, %यदि ईरान ने अपनी जमीन से हमला किया तो इजरायल जवाब देगा और ईरान में अटैक होगा।% बता दें कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई ने बुधवार को भी कहा कि हम वादा करते हैं कि इजरायल पर हमला होगा। हम सीरिया पर अपने कौंसुलेट पर हुए अटैक का बदला लेंगे।

सीरिया में हुए अटैक में ईरानी जनरल समेत 12 लोग मारे गए थे। इजरायल का कहना है कि उसका इस मामले से कोई ताल्लुक नहीं है। हालांकि ईरान इसे मानने को तैयार नहीं है। खामेनेई ने ईद के मौके पर नमाज के बाद कहा कि सीरिया में हमारे ठिकाने पर जो एयरस्ट्राइक हुई, वह गलत हुई। इसका बदला तो हमें लेना ही होगा।

हमास को मिल गया बड़े इस्लामिक देश का साथ, इजरायल पर लगा दिया 54 चीजों का बैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा में चल रहे हमास से युद्ध के बीच इजरायल के खिलाफ तुर्की ने बड़ा फैसला किया है। तुर्की ने कहा है कि जब तक गाजा में सीजफायर की घोषणा नहीं होती और पर्याप्त मात्रा में राहत सामग्री को गाजा में नहीं पहुंचने दिया जाता, तब तक 54 चीजों की सप्लाई इजरायल को नहीं की जाएगी।

कौन हैं आचार्य लोकेश मुनि जिन्हें अमेरिकी राष्ट्रपति पुरस्कार से किया गया सम्मानित, जो बाइडन भी हैं मुरीद

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहिंसा विश्व भारती और विश्व शांति केंद्र के संस्थापक जैन आचार्य लोकेश मुनि को वाशिंगटन के कैपिटल हिल में अमेरिकी राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वह अमेरिकी राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित होने वाले पहले भारतीय भिक्षु हैं। उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार, गोल्डन शील्ड, सम्मान प्रमाण पत्र और राष्ट्रपति बाइडन के हस्ताक्षर वाले प्रशस्ति पत्र दिए गए।

जो बाइडेन ने की तारीफ- अमेरिकी राष्ट्रपति ने आचार्य लोकेश मुनि के वैश्विक शांति प्रयासों की प्रशंसा करते हुए लिखा कि अपना समय देकर आप हमारे सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान खोजने में मदद कर रहे हैं। इनकी हमें पहले से अधिक जरूरत है। हम ऐसे क्षण में जी रहे हैं जिसे आशा, प्रकाश और प्यार की आवश्यकता है आप अपनी सेवा के माध्यम से ये तीनों प्रदान कर रहे हैं।

इस पुरस्कार ने और जिम्मेदारी बढ़ा दी- पुरस्कार प्राप्त करने के बाद जैन आचार्य ने कहा कि इस पुरस्कार ने और जिम्मेदारी बढ़ा दी है।

यह सम्मान भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों, भगवान महावीर के जैन सिद्धांतों का सम्मान है। लोकेश मुनि ने बाइडन का आभार जताते हुए उम्मीद जताई कि भारत और अमेरिका मानव जाति के उत्थान के लिए मिलकर काम करते रहेंगे।

अफगानिस्तान में हिंदुओं और सिख की जमीन वापस करेगा तालिबान, भारत ने की सराहना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल के कुछ वर्षों से अफगानिस्तान की सत्ता पर राज कर रहा तालिबान, भारत के साथ संबंध सुधारने की दिशा में लगातार पहल कर रहा है। ताजा पहल के मुताबिक, तालिबानि अधिकारियों ने अफगानिस्तान स्थित हिंदू और सिख अल्पसंख्यकों को उनकी जमीन वापस करने की दिशा में काम शुरू किया है। आपको बता दें कि पश्चिमी देशों के समर्थन वाली पिछली सरकार के दौरान इनसे इनकी जमीन छीन ली गई थी।

इस मामले पर तालिबान के एक अधिकारी ने कहा, यह पहल अफगानिस्तान में धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ होने वाले अन्याय को खत्म करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आपको बता दें कि अफगानिस्तान में लंबे समय से हिंदू और सिख विस्थापित होते आ रहे हैं। वहां उन्हें हाशिए पर धकेल दिया गया।

भारतीय अधिकारी इस घटनाक्रम को भारत के प्रति तालिबान के सकारात्मक संकेत के रूप में देखते हैं। हिंदू और सिख समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले संसद सदस्य नरेंद्र सिंह खालसा हाल ही में कनाडा से अफगानिस्तान लौटे हैं।

विदेशी जमीन पर पीड़ित ऐसे अल्पसंख्यकों को नागरिकता देने के लिए केंद्र सरकार ने हाल ही में नागरिकता संसोधन अधिनियम यानी सीएए को लागू किया है। यह बिल बहुत पहले संसद से पास हो चुका है। देशभर में इसके खिलाफ हुए विरोध-प्रदर्शन के बाद इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया था।

पाकिस्तान में फिर 2 आतंकियों की मौत, जानें किसने चलाया ऑपरेशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान में हाल के दिनों में कई आतंकवादियों की हत्या कर दी गई है। उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में फिर दो आतंकवादी मारे गए हैं। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा, सुरक्षा बलों ने प्रांत के दक्षिण वजीरिस्तान जिले में अभियान चलाया।

आईएसपीआर ने कहा, अभियान के दौरान भारी गोलीबारी के बाद दो आतंकवादियों को सफलतापूर्वक मार गिराया गया। उन्होंने कहा कि मारे गए आतंकवादी क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे।

आईएसपीआर के बयान में कहा गया है कि अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक भी बरामद किए गए। बयान में कहा गया है कि क्षेत्र से अन्य आतंकवादियों की मौजूदगी को खत्म करने के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है।

जश्न में फिलिस्तीन और कश्मीर न भूलें; ईद पर भी पाकिस्तान का रोना, दुनिया के मुसलमानों से एक मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब और अन्य तमाम मुस्लिम देशों के साथ ही पाकिस्तान में भी बुधवार को ही ईद का त्योहार मनाया जा रहा है। इस मौके पर पाकिस्तान के नेताओं ने एक तरफ पूरे देश को ईद की बधाई दी तो वहीं पूरी इस्लाम कौम का जिक्र करते हुए फिलिस्तीन और कश्मीर का मुद्दा भी उठा दिया। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने कहा कि ईद के मौके पर हमें जश्न के साथ ही उन 33 हजार मुसलमान भाइयों को भी याद रखना चाहिए, जिन्होंने गाजा में जान गंवा दी। इसके अलावा अब भी लाखों लोग ईद पर वहां भुखमरी के शिकार हैं। जरदारी ने कहा कि हम संकल्प लेते हैं कि फिलिस्तीनी भाई बहनों के हम साथ हैं।

जरदारी ने इस मौके पर कश्मीर का भी जिक्र किया और कहा कि हमारा उन लोगों को समर्थन है। उनके अलावा पीएम शहबाज शरीफ ने भी कश्मीर और फिलिस्तीन का जिक्र किया। शहबाज शरीफ ने कहा, ईद के इस जश्न में फिलिस्तीन और कश्मीर के अपने भाई-बहनों को न भूलें। हम उन्हें राहत मिलने की प्रार्थना करते हैं। इस मौके पर पाकिस्तान के नेताओं ने दुनिया के मुसलमानों से एकजुटता की अपील भी की। इसके अलावा फिलिस्तीन के लोगों पर जारी संकट से उन्हें निकालने की अपील भी की।

शहबाज शरीफ ने इस्लामिक उम्मा की बात करते हुए कहा, अपनी दुआएं कश्मीरी और फिलिस्तीनी लोगों के साथ रखें। आज भी इन लोगों को क्रूरता और उत्पीड़न झेलना पड़ रहा है। आज भी बेगुनाह फिलिस्तीनियों का खून बहाया जा रहा है। आइए, सब लोग मिलकर इस उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाएं। बता दें कि पाकिस्तान अकसर अपने आंतरिक मामलों और चुनाव में भी कश्मीर का जिक्र करता रहता है। महंगाई, गरीबी की मार झेल रही पाकिस्तान की जनता को बरगलाने के लिए भी वहां के नेता अकसर कश्मीर का मुद्दा उठाते हैं। इसके अलावा कश्मीर को इस्लाम से जोड़कर लोगों को उकसाने की कोशिश करते हैं।

अचानक बांग्ला क्यों बोलने लगे CJI चंद्रचूड़, साथी जज की तारीफ में लगा दी झड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश जस्टिस अनिरुद्ध बोस आज (बुधवार, 10 अप्रैल) अपने पद से सेवानिवृत हो गए। उन्हें 24 मई, 2019 को सुप्रीम कोर्ट के जज के रूप में पदोन्नत किया गया था। करीब पांच वर्षों तक जस्टिस बोस शीर्ष अदालत में रहे। उनके रिटायरमेंट की पूर्व संध्या पर सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने उनके सम्मान में एक विदाई समारोह आयोजित किया था, जिसमें देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने जस्टिस बोस की खूब तारीफ की।

जस्टिस बोस के सम्मान में CJI चंद्रचूड़ ने कहा कि बेंच के किसी सहकर्मी को विदाई देना एक खट्टा-मीठा काम होता है। सेवानिवृत्ति पर विदाई देते समय हम अपनी मित्रता का सम्मान करते हैं और उसी परंपरा का निर्वाह करते हुए इस शाम को कलकत्ता हाईकोर्ट झारखंड हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में उनके योगदान को मान्यता देने के लिए समर्पित करते हैं।

सीजेआई इतने पर ही नहीं रुके। उन्होंने जस्टिस बोस को एक सच्चा बंगाली और बंगाली भद्रलोक का एक सच्चा और योग्य शख्स बताया। उन्होंने कहा कि जस्टिस बोस को भक्ति आंदोलन के प्रभाव का गहरा ज्ञान है। सीजेआई ने कहा कि जस्टिस बोस एक उत्कृष्ट न्यायाधीश रहे हैं और पदोन्नत होने से पहले वह एक उत्कृष्ट वकील रह चुके हैं, जिन्होंने कलकत्ता हाई कोर्ट के समक्ष बहस करते हुए विभिन्न प्रकार के मामलों को बखूबी संभाला है।

इसके बाद जस्टिस चंद्रचूड़ अचानक बांग्ला बोलने लगे। उन्होंने बांग्ला में कहा, बिचारपति श्री बोस अक्जोन क्लासिकल बांग्ला भद्रलोक, शोभाबे उनि एकटा बुद्धिजिबी.. जस्टिस बोस शाहित्यो, इतिहास, काव्यकार एकटा बिशेष छात्र और श्री श्री राम कृष्ण डेवर पुस्तक ओनार पसंदीदा, बांग्ला भोद्रोलोक होते होले धुति पंजाबी पोर्टे होये अर फूडी होते होये।

मार्च 2024 अब तक का सबसे गर्म महीना, 12 महीने के औसत तापमान ने नए रिकॉर्ड को छुआ

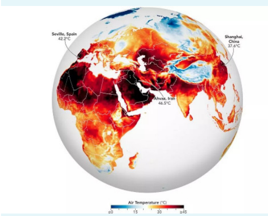

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूरोपीय संघ की जलवायु एजेंसी ने मंगलवार को कहा कि अल नीनो की स्थितियों और मानव जनित जलवायु परिवर्तन के संयुक्त प्रभाव की वजह से दुनिया में अब तक का सबसे गर्म मार्च महीना अनुभव किया गया है। इसकी वजह से यह पिछले साल जून के बाद से लगातार 10वां महीना है जब तापमान ने नया रिकॉर्ड बनाया है। कॉपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस ने कहा कि साल 1850-1900 के मार्च महीने औसत तापमान 14.14 डिग्री सेल्सियस था, जो 1850-1900 के महीने के औसत तापमान से 1.68 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था।

1991-2020 के मार्च महीने में 0.73 डिग्री सेल्सियस की बढोत्तरी- साल 1991-2020 के मार्च महीने के दौरान औसत तापमान में 0.73 डिग्री सेल्सियस की बढोत्तरी हुई। वहीं, मार्च 2016 में 0.10 डिग्री सेल्सियस की बढोत्तरी हुई।

पिछले 12 महीनों में वैश्विक औसत तापमान सबसे अधिक दर्ज- जलवायु एजेंसी ने कहा, पिछले 12 महीनों (अप्रैल 2023- मार्च 2024) में वैश्विक औसत तापमान सबसे अधिक दर्ज किया गया है।

बिल्ली को बचाने पूरा परिवार बायोगैस चेंबर में कूदा, दम घुटने से 5 की चली गई जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिल्ली को बचाने के लिए एक ही परिवार के 6 लोग बायोगैस चेंबर में कूद गए। हृदय विदारक घटना में पांच लोगों की जान चली गई। पुलिस और प्रशासन द्वारा चलाए गए रेस्क्यू ऑपरेशन में एक जान बचा ली गई। जो अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि उन्होंने कुएं में छलांग क्यों लगाई।

घटना महाराष्ट्र के अहमदनगर इलाके की बताई जा रही है। यह सनसनीखेज घटना मंगलवार शाम चार बजे नेवासा तालुका के वकाडी इलाके में हुई। एक बिल्ली जो किसी वजह से बायोगैस चेंबर में गिर गई थी, उसे बचाने के लिए एक-के बाद बाद परिवार के 6 लोग कूद गए। इसके बाद उनका चेंबर में दम घुटने लगा। हाय-तौबा मचने के बाद पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस और प्रशासन की टीम ने जब मौके पर पहुंची तो तुरंत रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। इस हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई।

मरने वालों में माणिक गोविंद काले, संदीप माणिक काले, बब्लू अनिल काले, अनिल बापुराव काले, बाबासाहेब गायकवाड़ थे। इस रेस्क्यू ऑपरेशन में टीम को चार से पांच घंटे का वक्त लगा। जिस पर लोगों ने आक्रोश भी जाहिर किया।

हमारे आलोचक भी नहीं उठा सकते भारतीय इतिहास पर सवाल, NSA डोभाल ने बताई यह 3 वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने भारतीय इतिहास को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि देश के इतिहास को लेकर कोई सवाल नहीं उठा सकता है, यहां तक की भारत के आलोचक भी नहीं। एनएसए अजीत डोभाल ने यह बयान मंगलवार को दिल्ली में प्राचीन भारत का इतिहास पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम के दौरान दिया।

डोभाल ने बताए यह 3 कारण- डोभाल ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय इतिहास के बारे में कुछ ऐसे सवाल थे जिन पर आपके आलोचकों सहित किसी ने भी सवाल नहीं उठाया। पहली इसकी प्राचीनता है कि यह सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है और शायद मानव जीवन विकसित हो चुका था और समाज ने खुद को बहुत ऊपर तक परिपूर्ण कर लिया था। अब, यह किसने किया? क्या वे मूल लोग थे या वे बाहर से आए थे , वे इसके बारे में पक्षपाती हो सकते हैं, लेकिन वे सभी मानते हैं कि यह प्राचीन सभ्यता है।

भारतीय सभ्यता की दूसरी विशेषता का उल्लेख करते हुए डोभाल ने निरंतरता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दूसरा निरंतरता है। यानी अगर इसकी शुरुआत 4000 या 5000 साल पहले हुई तो यह आज तक लगातार जारी है। उसमें कोई व्यवधान नहीं है। तीसरी विशेषता इसका विशाल विस्तार था। यह कोई छोटा-मोटा गांव नहीं था जो आपको किसी विकसित द्वीप या उस जैसी किसी जगह पर मिलता हो। यह ऑक्सस नदी से लेकर संभवतः दक्षिण पूर्व एशिया और अन्य स्थानों तक है, जहां सभ्यता के पदचिह्न स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं।

राष्ट्रीयता के सदस्य वे लोग हैं जो- डोभाल ने आगे कहा कि राष्ट्रीयता के सदस्य वे लोग हैं जो इतिहास की सामान्य समझ, अतीत में हमारे पूर्वजों की उपलब्धियों की सामान्य समझ और अपने भविष्य के लिए एक समान दृष्टि साझा करते हैं। इस विचार में विश्वास करने वाले सभी लोग हमारे राष्ट्र की एकता में योगदान देते हैं।

समुद्र में बढ़ी ताकत; ईरान के चाबहार के बाद भारत के हाथ आया एक और विदेशी बंदरगाह, चीन को झटका

नई दिल्ली (एजेंसी)। समुद्र में अपने हैरंतगेज सफल ऑपरेशनों के बाद भारत दुनिया में लगातार अपना रुतबा बढ़ा रहा है। ईरान के चाबहार के बाद म्यांमार बंदरगाह पर भी भारत ने अपना नियंत्रण कर लिया है। हाल ही में म्यांमार और भारत सरकार के बीच इस समझौते को हरी झंडी मिली है। विदेश मंत्रालय ने म्यांमार के सिटवे में कलादान नदी पर मौजूद बंदरगाह के संचालन को संभालने के लिए इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईजीपीएल) के एक प्रस्ताव को मंजूरी दी। भारत की यह उपलब्धि चीन के लिए बड़ा झटका है क्योंकि, चीन म्यांमार के पश्चिमी तट पर क्याउकफ्यू बंदरगाह पर निर्माण कार्य कर रहा है, जो भारत के लिए टेंशन की बात थी।

म्यांमार में सिटवे बंदरगाह में इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी कार्यरत है। ईरान के चाबहार पोर्ट के बाद यह दूसरा विदेशी बंदरगाह है, जहां की सुरक्षा भारत के जिम्मे होगी। यह न सिर्फ समुद्र बल्कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दृष्टि से भारत की बड़ी जीत है। म्यांमार और भारत के बीच यह समझौता क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए किया गया है।

सिटवे बंदरगाह पर सागरमाला डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड की सहायक कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय का पूर्ण स्वामित्व होगा। बंदरगाह पर लंबी लीज व्यवस्था लागू की गई है, जो हर तीन साल में रिन्यू होगी। ईरान के चाबहार में टर्मिनलों पर सीमित नियंत्रण के विपरीत भारत के पास सिटवे बंदरगाह पर पूर्ण परिचालन अधिकार होगा। भारत के इस कदम ने चीन के हिंद महासागर में एकछत्र राज के सपने को चकनाचूर कर दिया है।

यह बंदरगाह कलादान परियोजना का अभिन्न अंग है, जिसका उद्देश्य म्यांमार में सिटवे और भारतीय राज्य मिजोरम के बीच जलमार्ग और सड़क नेटवर्क और कनेक्टिविटी को बढ़ाना है।

सुप्रीम कोर्ट की नवलखा को दो टूक- आपने मांगी सुरक्षा, अब चुकाएं 1.64 करोड़ रुपये

नई दिल्ली (एजेंसी)। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि कार्यकर्ता गौतम नवलखा नजरबंदी के दौरान पुलिस कर्मियों की सुरक्षा के एवज में खर्च 1.64 करोड़ रुपये राशि महाराष्ट्र सरकार को देने की जिम्मेदारी से बच नहीं सकते, क्योंकि सुरक्षा का अनुरोध उन्होंने स्वयं किया था। पीठ ने नवलखा का पक्ष रख रहे अधिवक्ता से कहा, अगर आप मांग करते हैं तो आपको भुगतान भी करना होगा।

शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की, यह देनदारी है, आप जानते हैं, आप इससे बच नहीं सकते क्योंकि आपने (नजरबंदी के दौरान सुरक्षा की) इसकी मांग की थी। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण का शीर्ष अदालत में पक्ष रख रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस.वी. राजू ने कहा कि 1.64 करोड़ रुपये बकाया हैं और 70 वर्षीय नवलखा को उनकी नजरबंदी के दौरान प्रदान की गई सुरक्षा के लिए भुगतान करना होगा।

नजरबंदी के आदेश को असामान्य बताते हुए राजू ने कहा कि उनकी नजरबंदी के दौरान सुरक्षा के लिए चौबीसों घंटे बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। नवलखा के वकील ने कहा कि भुगतान करने में कोई कठिनाई नहीं है, लेकिन मुद्दा राशि की गणना को लेकर है। एएसजी ने कहा कि नवलखा ने पहले इसके लिए 10 लाख रुपये से अधिक का भुगतान किया था और अब वह भुगतान करने से बच रहे हैं।

नवलखा के वकील ने कहा, टालने का कोई सवाल ही नहीं है। उनके वकील ने कहा कि एनआईए की याचिका पर भी सुनवाई की जरूरत है, जिसमें बंबई उच्च न्यायालय के 19 दिसंबर, 2023 के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें नवलखा को जमानत दी गई थी। उच्च न्यायालय ने नवलखा को जमानत दे दी थी लेकिन एनआईए द्वारा शीर्ष अदालत में अपील दायर करने के लिए समय मांगने के बाद उसने तीन सप्ताह तक आदेश के अमल पर रोक लगा दी थी।

दैनिक हिन्दकुश
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
hindkush.in
24x7 News portal
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 पौष कृष्ण तृतीया

संपादकीय

नैतिक शिक्षा और अंत:विषय दृष्टिकोण के महत्व को कम करके आंका नहीं जा सकता....

सामाजिक परिवर्तन और राष्ट्र-निर्माण को बढ़ावा देने में नैतिक शिक्षा और अंत:विषय दृष्टिकोण के महत्व को कम करके आंका नहीं जा सकता है छात्रों का जीवन एक बड़े परिवर्तन के बीच है, जिसका मुख्य कारण दुनिया भर में तेजी से बदलती मूल्य प्रणालियाँ हैं। हालाँकि, केवल अधिग्रहण द्वारा संचालित इस परिवर्तन से सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना नहीं है। इसके बजाय, यह शिक्षा, एक अत्यधिक प्रतिष्ठित संस्थान, को केवल एक व्यावसायिक उद्यम में बदलने का जोखिम उठाता है जहां सफलता केवल भौतिक संपत्ति से मापी जाती है। नैतिक और नैतिक शिक्षा सफलता की कुंजी है, जो नई पीढ़ी को उन मूल्यों और दृष्टिकोणों को अपनाने में सक्षम बनाती है जो तेजी से बदलाव वाले वातावरण में छात्र समुदाय की रचनात्मक इच्छाओं को पोषित कर सकते हैं। फिर भी, हमें इस संक्रमणकालीन चरण से उत्पन्न चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए।

ज्ञान, बुद्धिमत्ता, रचनात्मकता, प्रेरणा और प्रोत्साहन जैसे कीवर्ड एक सफल शिक्षा प्रणाली के लिए आवश्यक शर्तें हैं। एक सक्षम शिक्षा प्रणाली में अप्रत्याशित चुनौतियों से निपटने के लिए असंख्य रणनीतियों को लागू करने में सक्षम आंतरिक शक्ति होनी चाहिए। नवीनतम कौशल को बढ़ावा देना और नए नैतिक कोड और संज्ञानात्मक सोच को सूक्ष्मता से प्रसारित करना महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं जो भारत के विकास अभियान के लिए एक मजबूत नींव रख सकते हैं। जबकि हमारी शिक्षा प्रणाली छात्रों और शिक्षाविदों के रचनात्मक आग्रह को आकार देने वाले मूल्यों और दृष्टिकोणों को अपनाने के लिए जानी जाती है, इस संक्रमणकालीन चरण के दौरान इसे बढ़ती चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अंत:विषय और बहु-विषयक अध्ययन के समकालीन महत्व के संबंध में मौजूदा ज्ञान में अंतर को पाटने के प्रयास किए जाने चाहिए। भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों को प्रत्येक अनुशासन को विविध सामग्री और विचारों से समृद्ध करने की आवश्यकता है।

यहां तक कि विज्ञान के छात्रों को भी एनईपी 2020 द्वारा शुरू की गई बहु-विषयक प्रथाओं के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सामाजिक-राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों से अवगत कराया जाना चाहिए। ऐसी नीतियां नवाचार के लिए उत्प्रेरक के रूप में काम करती हैं और कई विषयों और उच्च शिक्षा संस्थानों में अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देती हैं। हाल के वर्षों में, नई शिक्षा प्रणाली ढांचे में लोकतंत्र, पर्यावरण, वैश्वीकरण और शासन के वास्तविक जीवन के प्रयोगों को एकीकृत करने के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण के साथ, विभिन्न विषयों की सामग्री और प्रकृति में पर्याप्त बदलाव आया है। यह प्रदर्शित करना महत्वपूर्ण है कि उच्च शिक्षा के नए दृष्टिकोण कैसे परिवर्तन ला सकते हैं और जनता के बीच विश्वास पैदा कर सकते हैं। अनुसंधान और शिक्षण को तदनुसार उन्नत करने के लिए विश्व स्तर पर शिक्षा में नवीनतम अनुसंधान और विकास का प्रसार किया जाना चाहिए।

उच्च शिक्षा प्रणाली की ताकत उसकी आंतरिक गतिशीलता, समावेशी विकास सुनिश्चित करने और विकसित भारत अभियान में महत्वपूर्ण योगदान देने में निहित है। भारत के उद्यमशीलता कौशल ने तृतीयक बाधाओं पर काबू पाकर और नवाचार को बढ़ावा देकर हमें आगे बढ़ाया है। उल्लेखनीय पहलों ने केवल बाजार या कड़ी प्रतिस्पर्धा पर निर्भर रहने के बजाय कनेक्टिविटी और नए कनेक्शन विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया है। जैसा कि लुसी लारकॉम ने एक बार कहा था, यदि दुनिया आपको ठंडी लगती है, तो इसे गर्म करने के लिए आग जलाएं।

गणगौर

गणगौर राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के निमाड़, मालवा, बुंदेलखण्ड और ब्रज क्षेत्रों का एक त्यौहार है जो चैत्र महीने की शुक्ल पक्ष की तृतीया (तीज) को आता है। इस दिन कुँवारी लड़कियाँ एवं विवाहित महिलाएँ शिवजी (इसर जी) और पार्वती जी (गौरी) की पूजा करती हैं। पूजा करते हुए दूब से पानी के छींटे देते हुए गोर गोर गोमती गीत गाती हैं। इस दिन पूजन के समय रेणुका की गौर बनाकर उस पर महावर, सिन्दूर और चूड़ी चढ़ाने का विशेष प्रावधान है। चन्दन, अक्षत, धूपबत्ती, दीप, नैवेद्य से पूजन करके भोग लगाया जाता है।

गण (शिव) तथा गौर (पार्वती) के इस पर्व में कुँवारी लड़कियाँ मनपसन्द वर पाने की कामना करती हैं। विवाहित महिलायें चैत्र शुक्ल तृतीया को गणगौर पूजन तथा व्रत कर अपने पति की दीर्घायु की कामना करती हैं।

होलिका दहन के दूसरे दिन चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से चैत्र शुक्ल तृतीया तक, 18 दिनों तक चलने वाला त्योहार है -गणगौर। यह माना जाता है कि माता गवरजा होली के दूसरे दिन अपने पीहर आती हैं तथा अठारह दिनों के बाद ईसर (भगवान शिव) उन्हें फिर लेने के लिए आते हैं ,चैत्र शुक्ल तृतीया को उनकी विदाई होती है।

गणगौर की पूजा में गाये जाने वाले लोकगीत इस अनूठे पर्व की आत्मा हैं। इस पर्व में गवरजा और ईसर की बड़ी बहन और जीजाजी के रूप में गीतों के माध्यम से पूजा होती है तथा उन गीतों के उपरांत अपने परिजनों के नाम लिए जाते हैं। राजस्थान के कई प्रदेशों में गणगौर पूजन एक आवश्यक वैवाहिक रीत के रूप में भी प्रचलित है।

निमाड़ में गणगौर का पवित्र त्योहार बड़े ही धूम धाम से मनाया जाता है त्योहार के अंतिम दिन प्रत्येक गांव में भंडारे का आयोजन होता है तथा माता की विदाई की जाती है

गणगौर पूजन में कन्याएँ और महिलाएँ अपने लिए अखण्ड सौभाग्य, अपने पीहर और ससुराल की समृद्धि तथा गणगौर से प्रतिवर्ष फिर से आने का आग्रह करती हैं।

गणगौर व्रत कथा

एक समय की बात है, भगवान शंकर, माता पार्वती एवं नारद जी के साथ भ्रमण हेतु चल दिए। वह चलते-चलते चैत्र शुक्ल तृतीया को एक गांव में पहुंचे। उनका आना सुनकर ग्राम कि निर्धन स्त्रियां उनके स्वागत के लिए थालियों में हल्दी व अक्षत लेकर पूजन हेतु तुरंत पहुंच गई । पार्वती जी ने उनके पूजा भाव को समझकर सारा सुहाग रस उन पर छिड़क दिया। वे अटल सुहाग प्राप्त कर लौटी।

थोड़ी देर उपरांत धनी वर्ग की स्त्रियां अनेक प्रकार के पकवान सोने चांदी के थालो में सजाकर सोलह श्रृंगार करके शिव और पार्वती के सामने पहुंची।

इन स्त्रियों को देखकर भगवान शंकर ने पार्वती से कहा तुमने सारा सुहाग रस तो निर्धन वर्ग की स्त्रियों को ही दे दिया। अब इन्हें क्या दोगी? पार्वती जी बोली प्राणनाथ! उन स्त्रियों को ऊपरी पदार्थो से निर्मित रस दिया गया है । इसलिए उनका सुहाग धोती से रहेगा। किन्तु मैं इन धनी वर्ग की स्त्रियों को अपनी अंगुली चीरकर रक्त का सुहाग रस दूंगी, इससे वो मेरे सामान सौभाग्यवती हो जाएंगी। जब इन स्त्रियों ने शिव पार्वती पूजन समाप्त कर लिया तब पार्वती जी ने अपनी अंगुली चीर कर उसके रक्त को उनके ऊपर छिड़क दिया जिस पर जैसे छींटे पड़े उसने वैसा ही सुहाग पा लिया।

पार्वती जी ने कहा तुम सब वस्त्र आभूषणों का परित्याग कर, माया मोह से रहित होओ और तन, मन, धन से पति की सेवा करो । तुम्हें अखंड सौभाग्य की प्राप्ति होगी। इसके उपरांत पार्वती जी भगवान शंकर से आज्ञा लेकर नदी में स्नान करने चली गई । स्नान करने के पश्चात बालू की शिव जी की मूर्ति बनाकर उन्होंने पूजन किया। भोग लगाया तथा प्रदक्षिणा करके दो कणों का प्रसाद ग्रहण कर मस्तक पर टीका लगाया। उसी समय उस पार्थिव लिंग से शिवजी प्रकट हुए तथा पार्वती को वरदान दिया आज के दिन जो स्त्री मेरा पूजन और तुम्हारा व्रत करेगी उसका पति चिरंजीवी रहेगा तथा मोक्ष को प्राप्त होगा। भगवान शिव यह वरदान देकर अंतर्धान हो गए ।

इतना सब करते-करते पार्वती जी को बहुत समय लग गया। पार्वती जी नदी के तट से चलकर उस स्थान पर आई जहां पर भगवान शंकर व नारद जी को छोड़कर गई थी। शिवजी ने विलंब से आने का कारण पूछा तो इस पर पार्वती जी बोली मेरे भाई भावज नदी किनारे मिल गए थे। उन्होंने मुझसे दूध भात खाने तथा रुकने का आग्रह किया।

गणगौर नृत्य

गणगौर राजस्थान एवं मध्यप्रदेश का प्रसिद्ध लोक नृत्य है। इस नृत्य में कन्याएँ एक दूसरे का हाथ पकड़े वृत्ताकर घेरे में गौरी माँ से अपने पति की दीर्घायु की प्रार्थना करती हुई नृत्य करती हैं। इस नृत्य के गीतों का विषय शिव-पार्वती, ब्रह्मा-सावित्री तथा विष्णु-लक्ष्मी की प्रशंसा से भरा होता है। उदयपुर जोधपुर बीकानेर और जयपुर को छोड़कर राजस्थान के कई नगरों की प्राचीन परम्परा है। गणगौर नृत्य मध्य प्रदेश के निमाड़ अंचल का प्रमुख नृत्य है।

गौर गौर गोमती

गौर गौर गोमती ईसर पूजे पार्वती
पार्वती का आला-गीला , गौर का सोना का टीका
टीका दे , टमका दे , बाला रानी बरत करयो
करता करता आस आयो वास आयो
खेरे खांडे लाडू आयो , लाडू ले बीरा ने दियो
बीरो ले मने पाल दी , पाल को मै बरत करयो
सन मन सोला , सात कचौला , ईशर गौरा दोन्यू जोड़ा
जोड़ ज्वारा , गेंहू ग्यारा , राण्या पूजे राज ने , म्हे पूजा सुहाग ने
राण्या को राज बढ़तो जाए , म्हाको सुहाग बढ़तो जाय ,
कीड़ी- कीड़ी , कीड़ी ले , कीड़ी थारी जात है , जात है गुजरात है ,
गुजरात्यां को पाणी , दे दे थाम्बा ताणी
ताणी में सिंघोड़ा , बाड़ी में भिजोड़ा
म्हारो भाई एम्ल्यो खेमल्यो , सेमल्यो सिंघाड़ा ल्यो
लाडू ल्यो , पेड़ा ल्यो सेव ल्यो सिघाड़ा ल्यो
झर झरती जलेबी ल्यो , हर-हरी दूब ल्यो गणगौर पूज ल्यो

50 रुपये से 4300 रुपये के पार पहुंचा यह मल्टीबैगर, अब कंपनी बांट रही शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंप, वॉल्व्स एंड सिस्टम्स की सप्लाई करने वाली दिग्गज कंपनी केएसबी लिमिटेड के शेयरों में धुआंधार तेजी आई है।

कंपनी के शेयर पिछले कुछ साल में 50 रुपये से बढ़कर 4300 रुपये के पार पहुंच गए हैं। केएसबी लिमिटेड के शेयर बुधवार को 5 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 4355 रुपये पर बंद हुए हैं। केएसबी लिमिटेड के शेयर बुधवार को 4450 रुपये पर भी पहुंचे हैं और 52 हफ्ते का नया हाई बनाया है। केएसबी लिमिटेड ने अपने शेयरों के बंटवारे (स्टॉक स्प्लिट) का ऐलान किया है।

केएसबी लिमिटेड के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स की 26 अप्रैल 2024 को बैठक है। इस बैठक में कंपनी का बोर्ड शेयरों के बंटवारे (स्टॉक स्प्लिट) पर विचार और उसे अप्रूव करेगा। इसके अलावा, कंपनी का बोर्ड वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजों पर भी विचार और उसे मंजूरी देगा। केएसबी लिमिटेड अपने लॉन्ग टर्म निवेशकों को बोनस शेयर का तोहफा भी दे चुकी है। कंपनी ने अप्रैल 2011 में 1ः1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए थे। यानी, कंपनी ने हर शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया था।

केएसबी लिमिटेड के शेयरों में पिछले कुछ साल में तगड़ा उछाल आया है। कंपनी के शेयर 8 अप्रैल 2004 को 51.20 रुपये पर थे। केएसबी के शेयर 10 अप्रैल 2024 को 4355 रुपये पर बंद हुए हैं। कंपनी के शेयरों में इस अवधि में 8400 पर्सेंट से अधिक का उछाल आया है।

वहीं, पिछले 10 साल में केएसबी लिमिटेड के शेयर 1193 पर्सेंट चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 25 अप्रैल 2014 को 336.85 रुपये पर थे।

केएसबी लिमिटेड के शेयर अब 4355 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 4450 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते को लो लेवल 2014.65 रुपये है।

पॉलिसीबाजार का आईसीआईसीआई से समझौता

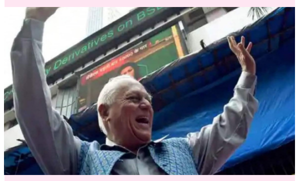

नई दिल्ली (एजेंसी)। पॉलिसीबाजार और आईसीआईसीआई लोम्बार्ड के बीच समझौते का असर पीबी फिनटेक के शेयर पर देखने को मिल रहा है। पॉलिसीबाजार की मूल कंपनी पीबी फिनटेक के शेयर 2 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। आज 11 बजे के करीब यह 4 फीसद से अधिक बढ़त के साथ 1359.80 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। आज यह स्टॉक 1351 रुपये पर खुलकर 1400.35 रुपये के दो साल के हाई पर पहुंच गया। शेयर में यह उछाल निजी बीमा प्रमुख आईसीआईसीआई लोम्बार्ड द्वारा पॉलिसीबाजार के प्लेटफॉर्म पर अपने प्रोडक्ट ऑफर करने के लिए कंपनी के साथ एक रणनीतिक साझेदारी के बाद आया है। पीबी फिनटेक के स्टॉक नवंबर 2021 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। 17 नवंबर, 2021 को यह 1,470 रुपये के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। पॉलिसीबाजार भारत के सबसे बड़े बीमा प्लेटफार्मों में से एक है। यह पीबी फिनटेक का प्रमुख मंच है, जो फिनटेक ब्रांड, Paisabazaar.com और संयुक्त अरब अमीरात में लोन और बीमा प्लेटफार्म policybazar.ae का भी मालिक है, जबकि ICICI लोम्बार्ड देश की अग्रणी निजी सामान्य बीमा कंपनी है। कंपनी मोटर, हेल्थ, फसल, आग, व्यक्तिगत दुर्घटना, समुद्री, इंजीनियरिंग बीमा सहित कई वितरण चैनलों के माध्यम से उत्पादों की एक व्यापक और विविध रेंज प्रदान करती है।

390 रुपये तक जा सकते हैं वेदांता के शेयर, रेटिंग अपग्रेड के बाद 2 साल के हाई पर पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेदांता लिमिटेड के शेयरों में जबरदस्त तेजी आई है। वेदांता के शेयर बुधवार को 8 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 369.60 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर 2 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं। वेदांता लिमिटेड के शेयरों में यह तेजी रेटिंग अपग्रेड के बाद आई है। ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने वेदांता के शेयरों को खरीदने की सलाह दी है। इससे पहले, सीएलएसए ने वेदांता के शेयरों को अंडरपरफॉर्म रेटिंग दी थी। वेदांता के शेयरों में मंगलवार को भी 5 पर्सेंट के करीब तेजी देखने को मिली थी।

ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस सीएलएसए ने वेदांता के शेयरों का टारगेट प्राइस बढ़ाकर 390 रुपये कर दिया है। ब्रोकरेज हाउस ने पहले वेदांता के शेयरों के लिए 260 रुपये का टारगेट दिया था। सीएलएसए का कहना है कि अपने डायवर्सिफाइड एक्सपोजर के कारण वेदांता, कमोडिटी अपसाइकल से होने वाले बेनेफिट्स का लाभ उठाने की बेहतर स्थिति में है।

वेदांता के शेयरों में पिछले कुछ महीनों में तगड़ा उछाल आया है। वेदांता लिमिटेड के शेयर पिछले 6 महीने में 65 पर्सेंट के करीब चढ़ गए हैं। वेदांता के शेयर 11 अक्टूबर 2023 को 227.70 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 10 अप्रैल 2024 को 369.60 रुपये पर पहुंच गए हैं। वेदांता के शेयरों में इस साल अब तक 45 पर्सेंट के करीब तेजी आई है। वेदांता के शेयर साल की शुरुआत में 1 जनवरी 2024 को 257.20 रुपये पर थे, जो कि अब 369.60 रुपये पर पहुंच गए हैं। वेदांता के शेयरों में पिछले एक महीने में 35 पर्सेंट की ताबड़तोड़ तेजी आई है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 369.60 रुपये है। वहीं, वेदांता लिमिटेड के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 207.85 रुपये है।

इस छोटी कंपनी के शेयरों में तूफान, कोरियन एयर के साथ मल्टी मिलियन डॉलर की डील

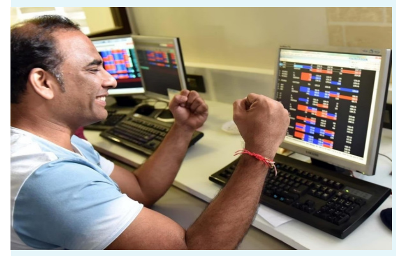

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्मॉलकैप कंपनी रैमको सिस्टम्स के शेयरों में तूफानी तेजी आई है। रैमको सिस्टम्स के शेयर बुधवार को 20 पर्सेंट की तेजी के साथ 341.75 रुपये पर पहुंच गए हैं।

कंपनी के शेयर मंगलवार को 284.80 रुपये पर बंद हुए थे। रैमको सिस्टम्स के शेयरों में यह तेज उछाल दक्षिण कोरिया की सबसे बड़ी एयरलाइन कोरियन एयर के साथ एक बड़ी डील होने की वजह से आई है। रैमको सिस्टम्स के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 356.65 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 209.10 रुपये है।

एविएशन सॉफ्टवेयर स्पेशलिस्ट रैमको सिस्टम्स ने कोरियन एयर के साथ मल्टी-मिलियन डॉलर डील पर दस्तखत किए हैं। यह डील कोरियन एयर के नए इंजन मेंटीनेंस कॉम्प्लेक्स में टेक सपोर्ट के लिए है। रैमको सिस्टम्स और कोरियन एयर का एसोसिएशन आधिकारिक रूप से शिकागो में अनाउंस किया गया था। यह डील कोरियाई एयरलाइन के उस अनाउंसमेंट के ठीक बाद हुई है, जिसमें एयरलाइन ने इंचियोन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के करीब उनबक में अपने इंजन मेंटीनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल फैसिलिटी के कंस्ट्रक्शन की घोषणा की थी। रैमको सिस्टम्स के शेयरों में पिछले एक साल में अच्छी तेजी आई है। कंपनी के शेयर पिछले एक साल में 53 पर्सेंट के करीब चढ़ गए हैं।

एनर्जी कंपनी के पास 1783 करोड़ का ऑर्डर, शेयर खरीदने की लूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्मॉलकैप स्टॉक जेनसोल इंजीनियरिंग के शेयर आज बुधवार को फोकस में हैं। कंपनी के शेयर 2.8त्न चढ़कर 1011.95 रुपये के इंट्रा डे हाई पर पहुंच गए। शेयरों में इस तेजी के पीछे एक बड़ी वजह है। दरअसल, जेनसोल इंजीनियरिंग ने वित्त वर्ष 2025 की शुरुआत में 1783 करोड़ रुपये की ऑर्डर बुक की सूचना दी है। बता दें कि दिग्गज निवेशक मुकुल अग्रवाल का भी इस स्मॉलकैप स्टॉक में निवेश है।

जेनसोल इंजीनियरिंग ने कहा, जेनसोल इंजीनियरिंग के पास वित्त वर्ष 2025 तक ?1,783 करोड़ का ऑर्डर बुक है। यह एक पॉजिटिव साल का संकेत देता है और रेन्यूएबल एनर्जी और इलेक्ट्रिक गतिशीलता उद्योग में एक प्रमुख प्लेयर के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करता है। जेनसोल की विविध ऑर्डर बुक इसकी भागीदारी को दर्शाती है कई क्षेत्रों में, प्रत्येक अपने समग्र पोर्टफोलियो में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

कंपनी को सोलर ईपीसी (स्कॉर्पियस ट्रैकर्स सहित भारत और मध्य पूर्व) से 1,448 करोड़ का ऑर्डर मिला है। इसके अलावा इसे Let'sEV (EV लीजिंग बिजनेस) से 335 करोड़ का एक और ऑर्डर मिला है। जेनसोल इंजीनियरिंग के अध्यक्ष और मैनेजिंग डायरेक्टर अनमोल सिंह जग्गी ने कहा, वित्त वर्ष 2025 के लिए हमारी ऑर्डर बुक 1,783 करोड़ की है, जो हमारे रिन्यूएबल और ई-मोबिलिटी सॉल्यूशन की बढ़ती मांग को उजागर करती है।

महीनेभर में यह शेयर 8.07% चढ़ गया है। छह महीने में यह शेयर 58.98% टूट चुका है। इस साल YTD में यह शेयर अब तक 16.99त्न चढ़ गया है। सालभर में यह शेयर 26.77त्न गिरा है। इसका 52 वीक का हाई 1,377.10 रुपये है और 52 वीक का लो प्राइस 311.69 रुपये है। इसका मार्केट कैप 3,764.94 करोड़ रुपये है।

टाटा की एयर इंडिया के लिए एक और मुश्किल! 23 अप्रैल को हड़ताल का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा की एयर इंडिया की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। एयर क्राफ्ट टेक्नीशिएंस ने हड़ताल का ऐलान कर दिया है। सरकारी कंपनी AI इंजीनियरिंग के टेक्नीशियंस ने सैलरी में बढ़ोतरी, प्रमोशन, यूनिफॉर्म और अपनी कई अन्य मांगों को लेकर 23 अप्रैल को हड़ताल पर जाने का ऐलान किया है। ऑल इंडिया एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरिंग यूनियन ने सीईओ और ष्ट॥ह्र को लेटर लिखकर उनकी परेशानियों को को दूर करने की अपील की है।

एआई इंजीनियरिंग का सबसे बड़ा ग्राहक एयर इंडिया है। यूनियन के पत्र के मुताबिक कर्मचारियों को पिछले सात साल से प्रमोशन नहीं मिला है। प्रबंधन ने कम से कम दो साल तक काम करने वाले टेक्नीशियनों के लिए संशोधित सैलरी स्ट्रक्चर का वादा किया था, लेकिन इसका पालन नहीं किया है। संविदा कर्मचारी, जो कंपनी के कार्यबल का 75% हिस्सा हैं, भेदभाव महसूस करते हैं।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

दो माह के बच्चे का चलती ट्रेन में हुआ अपहरण

ग्वालियर। कटरा से माता वैष्णो देवी मंदिर के दर्शन कर लौट रहे एक परिवार के दो माह के बच्चे का चलती ट्रेन में अपहरण हो गया। यह वारदात ग्वालियर से डबरा स्टेशन के बीच गत छह व सात अप्रैल की दरमियानी रात हुई। बच्चे का अपहरण होने पर ट्रेन में हड़कंप मच गया। बच्चे के माता-पिता जब मामला दर्ज कराने के लिए जीआरपी थाने पहुंचे, तो पहले उन्हें टाला जाता रहा। बाद में जीआरपी ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। जीआरपी को सूचना मिली है कि इंदौर जीआरपी को एक दंपती ने लावारिस हालत में मिला दो माह का बच्चा सौंपा है। ऐसे में फरियादी सहित जीआरपी की एक पार्टी को इंदौर रवाना किया गया है। इस मामले में जीआरपी के अधिकारी कुछ भी साफ-साफ बताने से बच रहे हैं।वैष्णो देवी के दर्शन के लिए जा रहे थे।

जानकारी के मुताबिक छतरपुर निवासी 27 वर्षीय उमेश कुमार अपनी पत्नी और दो माह के बच्चे के साथ माता वैष्णो देवी के दर्शन करने के लिए गए थे। वे कुछ दिन पहले वैष्णो माता के दर्शन करने के लिए पत्नी और दो माह के बेटे के साथ गए थे। दर्शन करने के बाद वे छह व सात अप्रैल की दरमियानी रात को मालवा एक्सप्रेस के एस-2 कोच में सवार होकर लौट रहे थे। उनकी बर्थ नंबर 13 और 14 थी। कटरा स्टेशन से वह ट्रेन में सवार हुए, तो कुछ दूर पहुंचने पर उनकी पत्नी को पेट दर्द की शिकायत हुई। ऐसे में उन्होंने अपनी पत्नी को दवा खिलाई और बच्चे को पत्नी के साथ ही सुला दिया। वे स्वयं दूसरी बर्थ पर लेट गए।

तड़के जब डबरा स्टेशन के पास उसकी नींद खुली, तो देखा कि पत्नी सो रही है और बच्चा गायब है। बच्चे को गायब देखकर उन्होंने शोर मचाया, तो जीआरपी के जवान पहुंचे और बच्चे की तलाशना शुरू किया। बच्चे का पता न चलने पर जीआरपी थाने आकर मामला दर्ज कराया।जीआरपी ने मामले की जांच शुरू की। इसी बीच पता चला है कि इंदौर में एक दंपती ने जीआरपी को लावारिस हालत में मिला एक बच्चा सौंपा है। ऐसे में तत्काल ही पार्टी को इंदौर रवाना किया गया है। जीआरपी थाना प्रभारी पंकज दीवान का कहना है कि इंदौर में बच्चा मिलने की सूचना पर टीम रवाना की गई है। वहां पहुंचने पर पता चलेगा कि यह वही बच्चा है या नहीं।

सांड लड़ते-लड़ते घुसे कपड़े की दुकान में

जबलपुर। पान दरीबा में दो सांड लड़ते-लड़ते एक कपड़के की दुकान में घुस गए। जैसे ही दोनों सांड घुसे वैसे ही अफरा तफरी मच गई। तत्काल जान बचाकर दुकानदार बाहर की ओर भागे। भिड़े सांडों ने पूरी दुकान को अस्त व्यस्त कर दिया। कपड़े बिखर गए। उन्हें रौंदते हुए लड़ने में व्यस्त रहे। दुकानदार और आसपास के लोगों ने किसी तरह पूंछ पकड़कर बाहर निकाला। कुछ लोगों ने मोबाइल में वीडियो बनाकर वायरल भी कर दिया

इसी तरह शहर के प्रमुख व्यावसायिक स्थल पान दरीबा में दो आवारा सांड की लड़ाई से क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। लड़ते हुए दोनों सांड एक कपड़े की दुकान में जा घुसे। कुछ देर में ही दुकान तहस-नहस कर दी। लोगों ने दोनों को भगाने की कोशिश की लेकिन वह नाकाम रही। काफी देर तक चली लड़ाई के बाद उन्हें दुकान के बाहर करना पड़ा। इस दौरान तमाशीनों का हुजूम लगा रहा कुछ लोगों के मोबाइल में वीडियो बनाकर वायरल भी कर दिया।

मादक पदार्थ तस्करी में दो महिला तस्कर को गिरफ्तार किया

भोपाल। राजधानी की क्राइम ब्रांच ने बुधवार को मादक पदार्थ तस्करी में दो महिला तस्कर को गिरफ्तार किया। वे विशाखापट्नम से सस्ते दामों पर गांजा खरीदकर लाते थे और उसे कोलार, मंगलवारा, ,शाहजहांनाबाद और गौतम नगर जैसे इलाकों में बेचते थे। महिलाओं की खासियत यह थी कि पिट्ठू बैग व ट्राली बैग में मादक पदार्थ लेकर निकलती थीं, इससे किसी को शंका नहीं होती थी। ये महिलाएं पहले भी गांजा तस्करी कर चुकी हैं।

इनमें से एक महिला विदिशा के गांव की रहने वाली है।क्राइम ब्रांच को मंगलवार रात में सूचना मिली कि ग्रांड होटल के पीछे मैदान में मंगलवारा में दो महिलाएं खड़ी है। उनके पास मादक पदार्थ है और वह ग्राहक का इंतजार कर रही हैं। इस पर क्राइम ब्रांच की टीम को मौके पर रवाना हुई, वहां दो संदिग्ध महिलाएं नजर आई। क्राइम ब्रांच की टीम उनको हिरासत में लेकर थाने लाई और जहां उनकी पहचान पुरानी मादक पदार्थ तस्कर श्याम नगर हबीबगंज निवासी 25 वर्षीय रीना उईके और ग्राम मडिया भडौसा बासौदा जिला विदिशा 65 वर्षीय कौशल्या बाई अहिरवार के रूप में हुई। दोनों के पास पिट्ठू बैग व ट्राली बैग मिले। उनकी तलाश ली गई थी तो उसके अंदर से 16.502 किग्रा गांजा बरामद किया गया है। एनडीपीएस एक्ट के तहत दोनों महिलाओं पर एफआइआर दर्ज की गई।

क्राइम ब्रांच ने जब मादक पदार्थ तस्करी में गिरफ्तार महिला कौशल्या बाई अहिरवार से पूछताछ की तो उसने पुलिस को बताया कि वह सिर्फ रुपयों के लालच में रीना उईके साथ मिल गई थी। रीना ही विशाखापट्नम से गांजा सस्ते दाम पर मंगवाकर शहर में बेचा करती थी। वह भी एक-दो बार इसकी डिलीवरी कर चुकी है।

आठ माह से बाड़ों में बंद चीतों को खुले जंगल में छोड़ने को लेकर वरिष्ठ स्तर पर मंथन

ग्वालियर। कूनो नेशनल पार्क में लगभग आठ माह से बाड़ों में बंद चीतों को खुले जंगल में छोड़ने को लेकर वरिष्ठ स्तर पर मंथन चल रहा है। यही कारण है कि इससे पहले चीता ट्रैकिंग टीम को पूरी तरह हाइटेक कर दिया गया है।

ट्रैकिंग में लगे वनरक्षकों को हाई फ्रीक्वेंसी के वायरलेस सेट दिए गए हैं, जिनमें जीपीएस के साथ पर्सनल बात करने की सुविधा और आटो रिकार्डिंग है। पहले पुराने सेट में पांच किमी तक संपर्क करने की क्षमता थी तो नए सिस्टम में यह रेंज दोगुना हो गई है। चौकी पर जो नए सेट लगाए गए हैं वह सौ किमी तक संपर्क कर सकते हैं। कूनो प्रबंधन चीता ट्रैकिंग टीम की लोकेशन आसानी से ले सकेगा। बता दें कि कूनो में खुले में अभी जंगल में दो ही चीते हैं जिसमें एक मुरैना में जंगल में पहुंच गया है। बाड़े में अभी 11 चीते हैं जिनमें से भारतीय मौसम में ढल चुके कुछ चुनिंदा चीतों को एक एक कर बाहर छोड़े जाने की प्रक्रिया शुरू की जानी है।

कूनो में चीतों की मौजूदगी और कूनो फारेस्ट फेस्टिवल होने के बाद से पर्यटकों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। यही कारण है कि कूनो प्रबंधन से लेकर वरिष्ठ स्तर के अधिकारी अब इसको लेकर तैयारी कर रहे हैं। खुले जंगल में आने के बाद निश्चित ही कूनो में पर्यटन बढ़ेगा।चीता की निगरानी में यह होगा फायदा

कूनो में चीतों की निगरानी के सिस्टम को और तकनीकी रूप से मजबूत इसलिए किया गया है जिससे पल पल की अपडेट मिलती रहे। पिछले कुछ समय में चीतों की मौत के मामले में यह भी देखने में आया कि चीते के साथ कोई घटना हुई या संघर्ष लेकिन टीमों को काफी देर से पता चल सका।

अब फ्रीक्वेंसी रेंज बढ़ने से लेकर व्यक्तिगत तत्काल मैसेज डिलीवर करने की सुविधा जीपीएस के साथ बढ़ी है। कोई भी ट्रैकिंग टीम वरिष्ठ अफसरों से झूठ नहीं बोल सकेगी।

मेट्रो रेल लाइन के दूसरे चरण का काम जून से शुरू होने की उम्मीद है

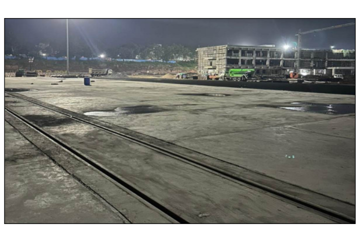

भोपाल। मेट्रो रेल लाइन के दूसरे चरण का काम जून से शुरू होने की उम्मीद है। इसका प्लान पूरी तरह से बनकर तैयार है। मेट्रो की आरेंज लाइन यानी एम्स से करोंद तक 14.99 किलोमीटर लंबी है। इसमें सुभाष नगर से करोंद के बीच 8.77 किलोमीटर लाइन को बिछाने में लगभग एक हजार 540 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इसमें 3.39 किलोमीटर लंबा भूमिगत मार्ग रहेगा। इसमें दो मेट्रो स्टेशन भी बनाए जाएंगे। बता दें कि दूसरे चरण को लेकर तैयार किए गए प्लान को मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के एमडी सीबी चक्रवर्ती भी देख चुके हैं। वहीं बीते महीने में मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने दोनों काम का वर्चुअली भूमिपूजन किया था। सवा छह किलोमीटर का प्रायोरिटी कारिडोर

14.99 किलोमीटर की आरेंज लाइन में सुभाष नगर से एम्स के बीच सवा छह किलोमीटर का प्रायोरिटी कारिडोर है।आठ में से पांच स्टेशनों के बीच अक्टूबर 2023 में ट्रायल रन हुआ था। रानी कमलापति, सुभाष नगर, केंद्रीय विद्यालय, डीबी माल के सामने और एमपी नगर के स्टेशनों का काम 90 प्रतिशत से अधिक पूरा हो चुका है, जबकि एम्स, अलकापुरी और डीआरएम आफिस स्टेशनों का सिविल कार्य पूरा हो चुका है। अब फिनिशिंग से जुड़े काम निपटाए जा रहे हैं। वहीं, डीआरएम आफिस चौराहे पर स्टील ब्रिज का निर्माण हो रहा है। रेलवे ट्रैक के ऊपर से भी ब्रिज गुजरेगा। इसके लिए रेलवे से ब्लाक मांगा गया है।

सुभाष नगर डिपो से करोंद तक के मार्ग में दो चरण में काम पूरा होगा। कुल 8.77 किलोमीटर में से 5.38 किलोमीटर के हिस्से में छह एलिवेटेड मेट्रो स्टेशन बनेंगे।

लोकसभा निर्वाचन के दृष्टिगत आबकारी इंदौर की बड़ी कार्यवाही

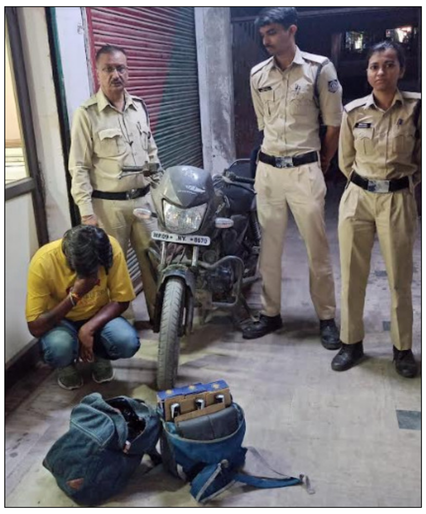

इंदौर। लोकसभा निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत कलेक्टर श्री आशीष सिंह के आदेश एवं सहायक आबकारी आयुक्त श्री मनीष खरे के निर्देशन में आबकारी विभाग इंदौर द्वारा कड़ी कार्यवाहियां जारी है।

इसी कड़ी में गत सोमवार को आबकारी वृत मालवा मिल अ प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी प्रीति चौबे और उपनिरीक्षक महेश पटेल द्वारा कार्यवाही करते हुए नेहरू नगर मैन रोड से एक मोटरसाइकिल हौंडा शाइन से 48 बियर के अद्दे तथा 06 बोतल व्हिस्की परिवहन करते हुए आरोपी विमल पिता करोड़ीमल तथा पंकज पिता त्रिलोकीनाथ को पकड़ा गया। वाहन और मदिरा जप्त कर कब्जे आबकारी लेकर दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार करते हुए उनके विरुद्ध मप्र आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) क का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। कार्यवाही में आरक्षक रुचिर दूर्वे, मुकेश चौहान, विनीता नगराज भी सम्मिलित थे।

इस कार्यवाही को सम्मिलित करते हुए सोमवार को जिले के समस्त वृत्तों में की गयी कार्यवाही में कुल 27 प्रकरण पंजीबद्ध कर 436 लीटर मदिरा जप्त की गई तथा 1495 लीटर महुआ लहान जप्त कर मौके पर नष्ट किया गया। मदिरा के अवैध परिवहन में 03 दोपहिया वाहन भी जप्त किये गए। जप्त समस्त सामग्री का बाजार मूल्य 2.58 लाख रुपये है। विभाग द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन, संग्रहण और विक्रय तथा नियम तोड़ने वाले बारों और मदिरा दुकानों पर कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

उत्तर पुस्तिकाओं की कमी का संकट खड़ा होने से देवी अहिल्या विश्वविद्यालय असमंजस में

इंदौर। मई में स्नातक प्रथम व द्वितीय की परीक्षा होना है, मगर उत्तर पुस्तिकाओं (कापियों) की कमी का संकट खड़ा होने से देवी अहिल्या विश्वविद्यालय असमंजस में है। परीक्षा में आठ से दस लाख कापियों की जरूरत होगी, जबकि फिलहाल 70 हजार कापियां ही मौजूद हैं। कापियों की संख्या को लेकर स्थिति सप्ताहभर पहले प्रेस कंट्रोलर ने बताई है। विश्वविद्यालय ने परीक्षा केंद्र बनाए कालेजों से भी कापियों के बारे में पूछा है। 48 घंटों के भीतर प्रबंधन को केंद्र में रखी कापियां का ब्योरा देना है। शुक्रवार को विश्वविद्यालय कापियां खरीदने के संबंध में टेंडर खोलेगा। मई में स्नातक प्रथम-द्वितीय वर्ष की परीक्षा है। दोनों पाठ्यक्रमों में करीब 90 हजार छात्र-छात्राएं हैं। प्रत्येक विद्यार्थी को आठ-नौ विषयों के पेपर देना होंगे। ऐसे में परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय के पास कम से कम आठ लाख कापियां होनी चाहिए। इसमें फाउंडेशन विषय के लिए ओएमआर शीट की जरूरत पड़ती है। इनकी विश्वविद्यालय के पास पर्याप्त संख्या है। अधिकारियों के मुताबिक दो अप्रैल को प्रेस कंट्रोलर डा. अजय तिवारी ने उत्तरपुस्तिकाओं की स्थिति को लेकर जानकारी दी, जिसमें मुख्य उत्तरपुस्तिकाएं 70 हजार होना बताया। इसके बाद परीक्षा विभाग और केंद्रों के पास मौजूद कापियों की संख्या बताने के निर्देश हैं। इनको मिलाकर भी एक लाख से अधिक खाली कापियां होंगी। केंद्रों से जानकारी आना बाकी है।

लेनी होगी अनुमति- 12 अप्रैल को टेंडर भले ही खोल देंगे, मगर उसके बाद भी विश्वविद्यालय सीधे कापियां नहीं खरीद सकेगा। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता के चलते पहले कलेक्टर या जिला निर्वाचन अधिकारी से अनुमति लेनी होगी। कुलपति विशेषाधिकार (धारा 15(4)) के अंतर्गत एजेंसी को आर्डर दे सकेंगे। वैसे एक बार में एजेंसी को तीन से पांच लाख कापियां देनी हैं। इन्हें बनाने में कम से कम 45 से 60 दिन लगेंगे।

जताई नाराजगी - विश्वविद्यालय की प्रिंटिंग प्रेस से फाइल पहले परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पहुंची, फिर इस बारे में कुलपति और रजिस्ट्रार को जानकारी दी गई। सूत्रों के मुताबिक तत्काल प्रेस कंट्रोलर को बुलाया और दोनों ने नाराजगी जताई। उनका कहना था कि कापियां के बारे में इतनी देर से क्यों बताया। अब चुनाव के बीच कापियां खरीदना मुश्किल है। इसके चलते ही अप्रैल में कापियों का टेंडर खुलने का फैसला लिया।

स्वयंभू माँ भवानी माता मंदिर में घट स्थापना के साथ कन्याओं का पाद-पूजन किया

इन्दौर। हरसोला स्थित स्वयंभू माँ भवानी माता मंदिर परिसर में चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर घट स्थापना के साथ माँ भवानी को नए व पहनाकर मंदिर परिसर को सजाया गया और कन्याओं का पाद-पूजन किया गया। मंदिर के पुजारी ज्योतिषाचार्य एवं भगवताचार्य पं. बालकृष्ण शर्मा ने अपने आशीर्वचन देते हुए देश के उत्थान के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

जानकारी देते हुए समाजसेवी मदन परमालिया एवं पं. भरत शर्मा ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी माँ के स्वरूप में छोटी-छोटी कन्याओं का पाद-पूजन कर उन्हें महिलाओं द्वारा भजन किए गए। मंदिर को विद्युत सज्जा से सजाया गया है, जो आकर्षण का केन्द्र बनी हुई है। नौ दिनों तक माँ का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। समापन पर हवन- पूजन कर भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। मंदिर निर्माण का कार्य जोरो-शोरो पर चल रहा है, जो अंतिम चरण में है। इस अवसर पर महिलाओं की टोली ने भजनों और ढोलक थाप से से समां बांध दिया।

सभी एसडीओ, तहसीलदार, पटवारी सहित अन्य राजस्व अधिकारियों को कार्यो में सुधार लाने की अंतिम चेतावनी

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इंदौर जिले के सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों, तहसीलदारों, पटवारी सहित अन्य राजस्व अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा की वे अपने कार्यों में सुधार लावे।राजस्व न्यायालय में दर्ज प्रकरणों की नियमित सुनवाई कर उनका त्वरित निराकरण करें। प्रकरणों के निराकरण में किसी भी तरह की लेतलाली और उदासीनता नहीं बरती जाए। उदासीनता और लेतलाली बरतने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कार्यों में सुधार के लिए उन्हें अंतिम अवसर दिया जा रहा है।

कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज यहां कलेक्टर कार्यालय में अधिकारियों की बैठक ली। इस बैठक में अपर कलेक्टर श्री गौरव बेनल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना लोवंशी, श्री रोशन राय, श्री राजेंद्र रघुवंशी तथा श्रीमती निशा डामोर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे राजस्व न्यायालय में दर्ज प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें।

राजस्व न्यायालय में दर्ज प्रकरणों की नियमित सुनवाई करें। उनका निराकरण समय सीमा तय कर किया जाए। प्रकरणों के निराकरण में किसी भी तरह की लेतलाली और उदासीनता नहीं बरते। सभी राजस्व अधिकारी अपने-अपने कार्यों में सुधार लावे। सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ कार्य करें। कार्यों में सुधार के लिए उन्हें अंतिम अवसर दिया जा रहा है।

पेम्पलेट्स, पोस्टर, पर्चे आदि प्रिंट सामग्री पर मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम और पता होना जरूरी

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार पेम्पलेट्स, पोस्टर्स, पर्चे आदि प्रचार अथवा प्रिंट सामग्री पर मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम और पता लिखा जाना अनिवार्य होगा। प्रकाशित सामग्री की प्रतियां निर्वाचन कार्यालय में भी जमा की जाना होगी। प्रिंट सामग्री में संख्या भी अंकित करना होगी। उल्लंघन पाये जाने पर संबंधितों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। इसमें 06 माह तक का कारावास, 2 हजार रूपये तक का जुर्माना अथवा दोनों से दंडित किये जाने का प्रावधान है।

यह जानकारी आज यहां कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई प्रकाशकों एवं मुद्रकों की बैठक/ प्रशिक्षण में दी गई। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन तथा संयुक्त संचालक जनसम्पर्क डॉ. आर.आर. पटेल भी मौजूद थे।

इस अवसर पर लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-127 (क)और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा इस संबंध में जारी किये गये दिशा-निर्देशों की जानकारी दी गई। बैठक में निर्देश दिये गये कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 की धारा-127 (क) और भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों को अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित किया जाये। पालन नहीं होने पर संबंधितों के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी।

शुचितापूर्ण निर्वाचन के लिए यह अनिवार्य है कि सभी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रिंट एवं प्रचार सामग्री में मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम, पता, प्रसारित की जाने वाली सामग्री की संख्या अनिवार्य रूप से अंकित करें।

प्रकाशित सामग्री की प्रतियां जिला निर्वाचन कार्यालय तथा व्यय लेखा शाखा में जमा करना जरूरी होगा। मुद्रित एवं प्रकाशित सामग्री के आधार पर खर्चा प्रत्याशी के व्यय लेखा में जोड़ा जायेगा।

कोई भी प्रकाशक एवं मुद्रक ऐसी सामग्री प्रकाशित नहीं करें जिससे कि आचार संहिता का उल्लंघन होता हो।

समाज में घृणा फैलाने, धार्मिक भावनाओं को भड़काने सहित अन्य आपत्तिजनक सामग्री किसी भी हाल में प्रकाशित नहीं की जाये। निर्धारित प्रारूप में जिला निर्वाचन कार्यालय को जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिये गये।

निर्वाचन के दौरान इलेक्ट्रानिक, प्रिंट, सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों, समाचारों और पेड न्यूज पर रखी जायेगी निगरानी

इंदौर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार इंदौर जिले में मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। इस प्रकोष्ठ के माध्यम से निर्वाचन के दौरान इलेक्ट्रानिक, प्रिंट, सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों, समाचारों और पेड न्यूज पर सतत निगरानी रखी जायेगी।

इलेक्ट्रानिक, प्रिंट, सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों के लिये पूर्व अनुमति लेना होगी। प्रिंट मीडिया के संबंध में मतदान प्रारंभ होने के 48 घंटे पहले तक की अवधि में प्रकाशित होने वाले विज्ञापनों के लिये पूर्व अनुमति ली जाना होगी। यह जानकारी आज यहां कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई मीडिया संस्थान के संचालकों/प्रतिनिधियों की एक दिवसीय कार्यशाला में दी गई। कार्यशाला में सिनमाघरों और एफ.एम. रेडियो के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

इस कार्यशाला में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री सिद्धार्थ जैन, मीडिया मॉनिटरिंग प्रकोष्ठ के नोडल अधिकारी तथा संयुक्त संचालक जनसंपर्क डॉ. आर.आर. पटेल एवं प्रिंट तथा इलेक्ट्रानिक मीडिया से जुड़े संस्थानों के संचालक/प्रतिनिधि मौजूद थे।

कार्यशाला में निर्वाचन के दौरान विज्ञापनों, समाचारों और पेड न्यूज पर सतत निगरानी रखने के लिये की गई व्यवस्थाओं संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही इस संबंध में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों, नियम आदि के संबंध में भी बताया गया। सभी से कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अपेक्षा की कि वे स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन के लिये उक्त संबंध में जारी दिशा-निर्देशों नियम आदि का पालन करें। उन्होंने सभी मीडिया से जुडें प्रतिनिधियों से अपील की कि वे जिले में अधिक से अधिक मतदान के लिये मतदाताओं को प्रेरित करने के लिये अपने-अपने स्तर पर प्रयास करें। उन्होंने इस संबंध में चलाये जा रहे स्वीप अभियान की जानकारी दी और अभियान में सहभागी बनने का आव्हान किया। उन्होंने जिले में स्वतंत्र और निष्पक्ष निर्वाचन कराये जाने के संबंध में की गई व्यवस्थाओं के बारे में भी बताया। उन्होंने बताया कि निर्वाचन संबंधी शिकायतों को प्राप्त करने तथा उनके निराकरण के लिये कलेक्टर कार्यालय में कंट्रोल रूम बनाया गया है। इस कंट्रोल रूम में ऑनलाइन सी विजिल के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का भी निराकरण किया जा रहा हैं। इस अवसर पर बताया गया कि लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचरण संहिता लागू है।

hindkush.in दैनिक हिन्दकुश

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

निर्वाचन की सभी तैयारी पूर्ण करें-कलेक्टर

जिला निर्वाचन अधिकारी श्री सिंह ने की नामनिर्देशन प्रक्रिया की तैयारियों की समीक्षा

उज्जैन। लोकसभा निर्वाचन 2024 अंतर्गत उज्जैन संसदीय क्षेत्र में निर्वाचन की अधिसूचना 18 अप्रैल को जारी की जाएगी। अभ्यर्थी 18 अप्रैल से 25 अप्रैल तक रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय में अपना नामांकन दाखिल कर सकेंगे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उज्जैन नीरज कुमार सिंह ने बुधवार को प्रशासनिक संकुल भवन में आयोजित बैठक में नामनिर्देशन प्रक्रिया की तैयारियों की समीक्षा की।

कलेक्टर श्री सिंह ने नोडल अधिकारी नाम निर्देशन को निर्देशित किया कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण की जाएं। निर्वाचन की अधिसूचना सभी सहायक रिटर्निंग अधिकारी कार्यालय, नगरपालिका, नगर निगम और पंचायतों में चस्पा कराएं। उन्होंने निर्देशित किया कि प्रशासनिक संकुल भवन के 100 मीटर से दायरे से लेकर रिटर्निंग अधिकारी कक्ष तक संपूर्ण प्रक्रिया की व्यवस्थित रिकॉर्डिंग की जाएं।

आरओ कक्ष में डिजिटल घड़ी की व्यवस्था रहें जिसके टाइम में किसी प्रकार की विसंगति न हो। कक्ष में लगाएं गए सभी कंप्यूटर सिस्टम्स और अन्य आवश्यक उपकरण चालू रहें, इसकी जांच कर देख लें। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि गर्मी को ध्यान में रखते हुए 100 मीटर के दायरे और कार्यालय में पेयजल, बैठक आदि आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएं।

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि अभ्यर्थियों के नामांकन जमा करने से पहले सभी आवश्यक दस्तावेजों की जांच और सत्यापन की कार्यवाही व्यवस्थित रूप से की जाएं। आवश्यक दस्तावेजों को निर्धारित पोर्टल पर अपलोड और चस्पा करने की कार्यवाही भी कराएं। नाम निर्देशन की संविक्षा की सूचना के साथ सिंबल एलॉटमेंट की सूचना जारी की जाए। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को दिए जाने वाले शपथ पत्र का प्रारूप अद्यतन और पूर्ण हो, इसका विशेष ध्यान रखें। संपूर्ण नाम निर्देशन प्रक्रिया का 17 अप्रैल को ड्राय रन किया जाएगा।

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि अभ्यर्थियों को नामांकन जमा करने के लिए दिए जाने वाले दस्तावेजों की जांच और सत्यापन भी करा लिया जाए। इस कार्य के लिए मास्टर ट्रेनर की ड्यूटी लगाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने नाम निर्देशन पत्र की संविक्षा के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए।

उज्जैन में वराह मिहिर पुरस्कार से सम्मानित हुए पंडित कैलाशपति

उज्जैन। मध्य प्रदेश शासन द्वारा भारतीय नव संवत विक्रम उत्सव के रूप में मनाए जा रहे 40 दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम दिन के कार्यक्रम में अतींद्रिय शक्ति के साधक पंडित कैलाशपति को ज्योतिष के क्षेत्र में निस्वार्थ सेवा के लिए वराहमिहिर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मध्य प्रदेश शासन संस्कृति विभाग भोपाल, उज्जैन की ओर से कार्यक्रम का आयोजन विक्रम शोध संस्थान एवं विक्रम विश्वविद्यालय पूर्ण श्री फाउंडेशन के तत्वाधान में किया गया। जिसमें देश भर के विभिन्न ज्योतिष विद्या के विशेषज्ञ, इतिहास भारतीय पुरातत्व आदि विषयों के विशेषज्ञों के मध्य लगभग 50 वर्षों से ज्योतिष विषय के माध्यम से समाज, राष्ट्र की सेवा में निरंतर चिंतनशील भारत के अद्वितीय विद्वान पंडित कैलाशपति जी को विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अखिलेश पांडे एवं मंचासीन विशिष्ट अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अपने वक्तव्य में पंडित कैलाशपति जी ने कहा ज्योतिष विषय परमात्मा के द्वारा प्रदत्त एक ऐसा प्रसाद है, जिससे भूत भविष्य का आकलन कर समाज की सेवा में सहयोग प्रदान किया जा सकता है।

श्री प्रकटेश्वर महादेव मंदिर में मुख्यमंत्री ने किया निशान पूजन

उज्जैन। फ्रीगंज स्थित श्री प्रकटेश्वर महादेव मंदिर से 23 अप्रैल हनुमान जयंती पर निकलने वाली माधव नगर फ्रीगंज गैर हेतु मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निशान ध्वज का पुजन कर अष्टधातु का निशान बाबा श्री अखण्ड ज्योती हनुमान को अर्पण किया।

मंदिर पुजारी घनश्याम शर्मा ने बताया कि डॉ. मोहन यादव पिछ्ले 10 वर्ष से अधिक समय से मंदिर की गैर में निशान पूजा करते चले आ रहे हैं। इस वर्ष उन्होंने कार्य की व्यस्तता के कारण नवरात्री में ही श्री शिव विष्णु समिति के माध्यम से औपचारिक पूजन कर परंपरा का निर्वाह किया।

विक्रमोत्सव 2024 के तहत विक्रमादित्य पंचांग संवत् 2081 का विमोचन, किया पूजन

उज्जैन। मध्यप्रदेश भारत सरकार के आयोजन विक्रमोत्सव 2024 के अंतर्गत राष्ट्रीय इतिहास समागम के 3 दिवसीय कार्यक्रम में मुंज मार्ग फ्रीगंज स्थित श्री प्रकटेश्वर महादेव मंदिर पर पूजन एवं फल वाचन कर विक्रमादित्य पंचांग विमोचन किया गया।

विक्रमोत्सव मे प्रथम बार 9 अप्रेल 2024 गुड़ी पड़वा चैत्र मास शुक्ल पक्ष संवत् 2081 दोपहर 12.30 पर विक्रम पंचांग संवत् 2081 का विमोचन, पंचांग पूजन व फलवाचन हुआ। इस दौरान विशिष्ट अतिथि राजेश सिंह कुशवाह वरिष्ठ कार्यपरिषद सदस्य विक्रम विश्वविद्यालय, संचालक डॉ सर्वेश्वर शर्मा पंचांग कर्ता श्री वाराहमिहिर पंचांग, अध्यक्ष संजय नाहर, पुजारी घनश्याम शर्मा महंत श्री प्रकटेश्वर महादेव मंदिर, पुजारी संदीप शर्मा, पं. मनीष शर्मा महंत पुजारी फतेह राज हनुमान मंदिर, भागीरथ जोशी पंचांग कर्ता नीमच, डॉ अजय शर्मा, डॉ महेंद्र पंडिया, रमण सोलंकी उपस्थित रहे।

राष्ट्र की रक्षा कर चुके पूर्व सैनिको ने दीपोत्सव में जलाए दीप

उज्जैन। चैत्र नवरात्रि प्रतिपदा व हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2081 के अवसर पर क्षिप्रा के तट पर आयोजित शिव ज्योति अर्पणम दीपमहोत्सव में उज्जैन संभाग पूर्व सैनिक कल्याण संगठन के देश की रक्षा कर सेवा निवृत हुए आर्मी, नेवी व एयर फोर्स के 75 पूर्व सैनिक योद्धाओं ने अपनी पत्नियों व बच्चों के साथ ड्रेस कोड के साथ छाती पर अपनी वीरता के मैडल लगा कर उज्जैन के गौरव के प्रतीक दीपोत्सव में संगठन के अध्यक्ष सूबेदार कमल सोनी (सेवा निवृत) के नेतृत्व में सम्मलित होकर दीप प्रज्जल्वित कर पुण्य सलिला मां क्षिप्रा को नमन किया।

संगठन के अध्यक्ष सूबेदार कमल सोनी (सेवा निवृत) ने बताया कि पूर्वसैनिक अपने सैन्य जीवन में देश की सरहदों की रक्षा अपने अदम्य साहस, रणकोशल, त्याग व तपस्या के साथ करके सेवा निवृत होकर आए है। एक पूर्व सैनिक विभिन्न प्रकार की तकनीकी, कोशल, प्रबंधन व नेतृत्व योग्यता में परिपूर्ण होता है। वे वर्तमान समाज की किसी भी प्रकार की व्यवस्था का संचालन, प्रबंधन व नेतृत्व बहुत ही अनुशासित तरीके से उच्च दर्ज के परिणाम के साथ संपन्न करने की योग्यता रखते है। चाहे वो संचार व्यवस्था हो, लोक निर्माण हो, सेतु निर्माण हो, भवन निर्माण हो, यांत्रीकीय हो, चिकित्सा व्यवस्था हो, सुरक्षा व्यवस्था व यातायात व्यवस्था हो, विधि या न्याय व्यवस्था हो, आपदा प्रबंधन हो या कानून व्यवस्था हो। समाज में नित्य जीवन में जितने भी विभाग या सेवा व्यवस्था होती है वे सारे विभाग सेनाओं में होते है, और एक सैनिक इन सभी व्यवस्थाओं में प्रशिक्षित होता है। सामाजिक कार्यों में तो पूर्व सैनिक समय समय पर सहभागिता करते ही रहते है।

श्री चिड़ार समाज के होली नववर्ष मिलन समारोह में विजेताओं का किया सम्मान

उज्जैन। श्री चिड़ार समाज का होली नववर्ष मिलन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें बच्चों एवं महिलाओं ने रांगोली, चित्रकला में अपना हूनर दिखाया। डीजे की धून पर चेयर रेस, चम्मच रेस, दौड़ सहित विभिन्न खेल गतिविधियां हुईं। सभी विजेताओं को समाज संरक्षक रहे स्व. श्री हरिनारायण हनुमन्तैयाजी की स्मृति में आकर्षक पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम संयोजक धर्मेन्द्र गोईया एवं मोहन चंदेल ने बताया कि महिलाओं की चेयर रेस में प्रथम नीतू हनुमन्तैया, द्वितीय सुनीता मगरिया, तृतीय स्थान मंगला आठिया ने प्राप्त किया। वहीं चम्मच रेस में प्रथम मधु बरहा, द्वितीय मंगला आठिया, तृतीय स्थान सुनीता मगरिया ने प्राप्त किया। बच्चों की दौड़ दो वर्ग में आयोजित की गई जिसमें प्रथम वर्ग में प्रथम स्थान हरित आठिया, द्वितीय अवनी आठिया और तृतीय स्थान प्रियांशु आठिया ने प्राप्त किया। दूसरे वर्ग में दौड़ में प्रथम स्थान हर्ष आठिया, द्वितीय श्रुति गेहलोत, तृतीय स्थान नैतिक आठिया ने प्राप्त किया। बच्चों की चम्मच रेस में प्रथम दक्ष हनुमन्तैया, द्वितीय उदय आठिया, तृतीय स्थान राज चंदेल ने प्राप्त किया। दूसरे वर्ग में बच्चों की चम्मच रेस में प्रथम राघव आठिया, द्वितीय हर्षित गेहलोत, तृतीय उदय गेहलोत रहे। बच्चों की चेयर रेस में एक साथ करीब 40 बच्चे दौड़े जिनमें प्रथम नंदनी मगरिया, द्वितीय कनक मगरिया, तीसरे स्थान पर शिव ब्राह्मनिया रहे। रांगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान नंदनी मगरिया, द्वितीय जिया गोईया, तृतीय स्थान रितीका वर्मा ने प्राप्त किया। रांगोली के निर्णायक समाज के वरिष्ठ हरिश आठिया, पूर्व अध्यक्ष प्रभुसिंह चित्तौड़िया एवं ताराचंद सोनी थे। चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम माही मगरिया, द्वितीय कनक मगरिया, तृतीय स्थान श्रीनीति हनुमन्तैया ने प्राप्त किया। वहीं कशिश आठिया, पृथ्वी गोईया को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। सभी विजेताओं को समाज संरक्षक रहे स्व. श्री हरिनारायण हनुमन्तैयाजी की स्मृति में आकर्षक पुरस्कारों से समाज संरक्षक पुरषोत्तम मगरे, पूर्व अध्यक्ष प्रेमनारायण आठिया, भगवानदास ब्रामनिया, प्रेमनारायण बरहा, प्रदेश अध्यक्ष सुनीता आठिया, नीता चंदेल, अरूणा आठिया द्वारा सम्मानित किया गया। संचालन कमलेश धंधेरे एवं संदीप हनुमन्तैया ने किया। कार्यक्रम को प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग कर सफल बनाने हेतु समस्त समाजजनों का आभार सचिन मगरे ने माना।

कार्यक्रम के समापन पर दिलीप गेहलोत ने सभी को गुलाल लगाकर टीका लगाया। आयोजन को सफल बनाने में अनिल आठिया, शंकर गेहलोत, रमेश आठिया, अजय आठिया, राजेन्द्र गेहलोत, गौतम चंदेल, सुजानसिंह कुशा, सतीश गेहलोत, आशाराम आठिया, कोमलप्रसादजी, चंद्रप्रकाश चड़ार, श्यामलाल आठिया, किशनलाल गेहलोत, नवीन मगरा, नारायण आठिया, आरडी चंदेल, शैलेन्द्र हनुमन्तैया, राजू गेहलोत, दीपक गेहलोत, देवीसिंह गोईया आदि।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com